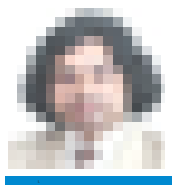
04 - ऋषियों और संतों के देश में बाबा संस्कृति

05 - बोगनवेलिया सी चहकती रहती है जिंदगी भी

A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 07 मार्च, 2025

06 - कोयला खदान धंसने से तीन कर्मचारियों की मृत्यु

07 - हमारे समय के सात अविवेक

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 179, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अब तमिलनाडु में भी उठी हिंदी समर्थक आवाज !

उमेश चतुर्वेदी

संस्कृति का उपादान और उसके नैरंतर्य का जरिया होने की वजह से भाषाएं उन लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दा होती हैं, जो उन्हें प्राथमिक जुबान के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने राजनीतिक फायदे के लिए तमिलनाडु की इसी भावना का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अब हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। यही श्रीधर वेंबु खुलेतौर पर कहने लगे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी दुश्वारियों को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसकी मुनादी भी कर रहे हैं।

श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा के सम्मान के नाम पर वह तमिल भावनाओं को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे कभी हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हैं और जब हिंदी पर यह आरोप साबित नहीं हो पाता तो वह हिंदी पर यह आरोप लगाने से भी पीछे नहीं हटते कि अपने हृदय प्रदेश की बोली-बानियों और छोटी भाषाओं के अस्तित्व को उसने निगल लिया है। स्टालिन का यह कहना कि हिंदी ने भोजपुरी, अवधी, अंगिका आदि भाषाओं के अस्तित्व को नष्ट कर दिया है, उसी आरोपबाजी का विस्तार है। जबकि हकीकत यह है कि हिंदी ने अपने हृदय प्रदेश की किसी भी भाषा के अस्तित्व को कोई चोट नहीं पहुंचाई है। उलटे हिंदी इन भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में काम कर रही है। वह उन भाषाओं से शब्दों को लेकर समृद्ध भी हो रही है। अवधी, भोजपुरी, बैसवाड़ी या ब्रजभाषी जब अपने भाषा समुदाय से दूर के लोगों से मिलतें हैं, उनके सहज संवाद की भाषा हिंदी होती है। इस संवाद प्रक्रिया में वह हर भाषा से कुछ शब्द लेती है, उन्हें दोनों के बीच के कड़ी के रूप में स्थापित करती है और इस तरह खुद भी समृद्ध होती है और अपनी बोली या उपभाषाओं को भी ताकतवर बनाती है।

महात्मा गांधी ने तमिल और तेलुगू युवाओं से एक सौ सात साल पहले हिंदी सीखने की अपील की थी। उनके ही आह्वान पर 17 जून 1918 को एनी बेसेंट और रामास्वामी अय्यर ने दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। गांधी जी का सपना था कि तमिल और तेलुगू जैसे अहिंदीभाषी इलाकों के हिंदी को ना सिर्फ सीखें, बल्कि हिंदी को लेकर अपने राज्यों में माहौल बनाएं। गांधी जी का वह सपना सौ साल से अधिक वक्त के बाद सच होता नजर आ रहा है। श्रीधर वेंबू जैसे घोर तमिलभाषी व्यक्ति का हिंदी के समर्थन में सामने आना और उनके साथ तमिलनाडु ही नहीं, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना आदि के लोगों का खड़ा होना मामूली बात नहीं है। हिंदी को लेकर तमिलनाडु के आम जन की जो छवि कम से कम उत्तर भारत में बनी है, तमिलनाडु से हिंदी के समर्थन में उठने वाली ये आवाजें उसे खंडित कर रही हैं। श्रीधर वेंबु जैसी महत्वपूर्ण स्वरों का हिंदी के समर्थन में उठना तमिलनाडु के आमजनों की कथित हिंदी विरोधी छवि का भी जवाब है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे आर्थिक विचारक एस गुरूमूर्ति तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक हलके की महत्वपूर्ण आवाज हैं। लेकिन हिंदी को लेकर तमिलनाडु में जो सामान्य धारणा रही है, उसकी वजह से हिंदी समर्थक उनके सुर को तमिल माटी में तवज्जो देने से बचा जाता रहा है। लेकिन श्रीधर वेंबु की आवाज और उनके समर्थन में सोशल मीडिया मंचों पर उमड़े युवा स्वरों ने गुरूमूर्ति की हिंदी समर्थक आवाज को ताकत दी है। गुरूमूर्ति भी खुलकर हिंदी विरोधी राजनीति के खिलाफ अपने तर्क दे रहे हैं और उन तर्कों को तमिलनाडु में ध्यान से सुना-पढ़ा जा रहा है। हिंदी का समर्थन करते हुए श्रीधर यह भी कह रहे हैं कि उनकी कंपनी का कामकाज तमिलनाडु की तुलना में दूसरे राज्यों में ज्यादा है। जहां उनकी कंपनी अपने तमिल अधिकारियों और प्रोफेशनल को भेजने में हिचकती है, क्योंकि वे दूसरे राज्यों में सहज संवाद विशेषकर जमीनी स्तर पर नहीं कर पाते।

1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन हुआ था। उसकी वजह यह थी कि संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी को राजकाज की भाषा का स्थान लेने के लिए पंद्रह साल की अवधि 25 जनवरी 1965 को पूरी हो रही थी। तब क्षेत्रीय द्रविड़ राजनीति को हिंदी विरोध में अपनी राजनीतिक राह दिखी। तमिल उपराष्ट्रीयता को उन्होंने हिंदी विरोध के नाम उभारा और स्थानीय लोक को अपने पक्ष में लामबंद किया। इसकी वजह से भारत सरकार को हिंदी को राजकाज की भाषा बनाने के संवैधानिक आग्रह को अनंत काल के लिए कानूनी तौर पर टालना पड़ा। इन अर्थों में तमिलनाडु का हिंदी विरोधी आंदोलन सफल कहा जाएगा। उसी वक्त से तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू नहीं है, जबकि तकरीबन समूचे देश में पढ़ाई के लिए त्रिभाषा यानी स्थानीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई की सुविधा लागू है। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति में फिर से प्राथमिक स्तर से ही त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने की बात की गई है और स्टालिन का हिंदी विरोध इसी फॉर्मूले के विरोध के साथ उभरा है।

तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों से हिंदी भले ही दूर हो, लेकिन सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम लागू करने वाले विद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। तमिलनाडु की आज की प्रौढ़ हो चुकी पीढ़ी में एक वर्ग ऐसा भी है, जो सोचता है कि हिंदी विरोधी आंदोलन में हिस्सा लेकर उसने गलती की। इस गलती को सुधारने के लिए वह पीढ़ी अपने बच्चों को हिंदी से घृणा करना सीखने-सिखाने से बचती है। इसके अलावा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा अब तक सवा दो करोड़ से ज्यादा लोगों को हिंदी सिखा और पढ़ा चुकी है। इसी साल उससे जुड़े विद्यार्थियों की संख्या पांच लाख से कुछ ज्यादा ही है। अब तमिलनाडु में ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो हिंदी के समर्थन में आवाज उठाते हैं। ऐसे लोगों में ज्यादातर वे हैं, जिन्होंने तमिलनाडु के बाहर भारतीयों के बीच संपर्क और संवाद के रूप में हिंदी को सहज पाया है और खुद हिंदी ना जानने की वजह से एक हद तक खुद को लाचार समझते रहे हैं।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत है 'देवभूमि'

● पीएम बोले-लगता है मां गंगा ने मुझे अब गोद ले लिया है ● उत्तराखंड में पीएम ने मुखवा में की मां गंगा की पूजा-अर्चना

लोगों से की अपील-कॉर्पोरेट मीटिंग-डेस्टिनेशन वेडिंग देवभूमि में करें

देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत प्रोत है। उन्होंने कहा कि मैंने काशी में कहा था की मां गंगा ने बुलाया है लेकिन अब मुझे लगता है कि मां गंगा ने मुझे अब गोद ले लिया है। इसके अलावा पीएम मोदी ने अपील की कि कॉर्पोरेट मीटिंग और डेस्टिनेशन वेडिंग देवभूमि में करें। पीएम मोदी ने कहा, मां गंगा की कृपा से ही मुझे दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला है। मैं मानता हूं कि उन्हीं के आशीर्वाद से मैं काशी तक पहुंचा और अब सांसद के रूप में काशी की सेवा कर

रहा हूं। इसीलिए मैंने काशी में कहा भी था कि मुझे मां गंगा ने बुलाया है। कुछ महीने पहले मुझे ये भी अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने मुझे अब गोद ले लिया है। ये मां गंगा की ही दुलार है, अपने इस बच्चे के प्रति उनका स्नेह है कि आज मैं उनके मायके मुखवा गांव आया हूं। उत्तराखंड की ये देवभूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत है। चारधाम और अनंत तीर्थों का आशीर्वाद इसे प्राप्त है। जीवनदायिनी मां गंगा के इस शीतकालीन गद्दी स्थल पर आज एक बार फिर आकर, आप सब परिवारजनों से मिलकर मैं धन्य हो गया हूं। पीएम मोदी ने टूरिज्म का जिक्र करते हुए कहा, हमारा प्रयास है कि उत्तराखंड पर्यटन का केन्द्र बने।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16वें वित्त आयोग की बैठक में शामिल हुए

आदिवासी विकास और इकोनॉमिक डेवलपमेंट पर फोकस : सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। 16वां वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढिया ने कहा कि राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही फ्री बीज स्कीम को लेकर आयोग ने अभी तक कोई अनुशंसा तय नहीं की है। इसको लेकर आयोग के सभी पांचों सदस्य आपस में बैठक कर विचार करेंगे।

आयोग के अध्यक्ष ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में गुरुवार को राज्य सरकार के साथ बैठक के बाद पत्रकारों के सवालों के जबाव दिए। फ्री बीज को लेकर किए गए सवाल पर पहले तो उन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर का

बताकर कुछ कहने से मना कर दिया लेकिन जब उनसे यह पूछा गया कि अधिकांश राज्य सरकारें फ्री-बीच स्कीम को बढ़ावा दे रही हैं तो क्या ऐसे मामलों में आयोग अपनी सिफारिश देगा। इस पर उन्होंने सदस्यों की बैठक में विचार करने की बात कही।

कन्वेंशन सेंटर की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, मंत्री, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व सचिव स्तर के अधिकारियों ने आगामी पांच साल की कार्ययोजना पर बातचीत की। इसमें सामने आया कि मध्यप्रदेश सरकार आदिवासी विकास पर और भविष्य में इकोनॉमिक डेवलपमेंट पर फोकस करने वाली है। राज्य सरकार अपने टैक्स से खुद के लिए आत्मनिर्भर बना सके इस पर इस पर भी बात हुई।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आयोग ने एमपी के 2047 के रोडमैप को सराहा है। इसके साथ ही सीएम ने किसानों को तीन साल में 30 लाख किसानों को सोलर पंप देने सहित जन, जल, जंगल, जमीन और जैविक विविधता का संरक्षण करने की बात कही।

भविष्य में इकोनॉमिक डेवलपमेंट पर फोकस- अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि एमपी बीसवां राज्य है जहां आयोग ने विजिट कर सुझाव लिए हैं। ग्रांट को लेकर कई मामलों में सुझाव आए हैं, राज्य सरकार से कई प्रस्ताव मिले हैं। यहां इसको लेकर काफी मजबूत प्रजेंटेशन आए, जिसमें पता चला कि 15 सालों में कृषि और अन्य सेक्टर में एमपी ने कैसे छलांग लगाई है।

भविष्य का रोड मैप तैयार किया गया है, जिसमें इकॉनामी डेवलपमेंट पर फोकस है। विकसित मध्यप्रदेश के लिए हाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर समिट से एमपी में इंडस्ट्रियल सेक्टर में बढ़ावा आना तय है। वर्टिकल डिवोल्यूशन को लेकर एमपी सरकार ने रिकमंडेशन दी है, इसे आयोग ने देखा है। एमपी में सेस और सरचार्ज 10 प्रतिशत रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री बोले- आयोग ने कार्य को सराहा- बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि आयोग के समक्ष एमपी सरकार की ओर से दिए गए प्रजेंटेशन की आयोग ने सराहना की है। अफसरों ने विस्तार से अलग-अलग कामों के जानकारी आयोग को दी है।

ट्रम्प की हमास को चेतावनी बंधक रिहा करो, वर्ना मारे जाओगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को चेतावनी दी है कि सभी बंधकों को अभी रिहा करें, बाद में नहीं। जिन लोगों की आपने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत लौटाएं, नहीं तो आपका काम खत्म हो जाएगा।

केवल बीमार और विकृत लोग ही शवों को रखते हैं। आप बीमार और विकृत हैं। व्हाइट हाउस ने बुधवार देर रात कहा कि गाजा बंधकों के मुद्दे पर अमेरिका और हमास के बीच कतर की राजधानी दोहा में सीधी बातचीत हुई। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा था कि चर्चा से पहले इजराइल से भी बात की गई थी।

● कमाल के मणिशंकर भी, बोले- पता था विवाद होगा

राजीव गांधी की पढ़ाई पर बीजेपी को थमा दिया हथियार

कहा-20 साल से गाइड को तैयार, लेकिन राहुल को जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पता था कि विवाद होगा, फिर भी बोले! कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने राजीव गांधी के शैक्षणिक कौशल पर सवाल उठाया और विवाद हुआ तो कह रहे हैं- ये तो पता ही था। वो इस बात से खुश हैं कि कांग्रेस पार्टी ने उनके बयान से पल्ला झाड़ लिया है और कहा है कि इससे पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है। मणिशंकर बोले, राहत है की बात है कि कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि उनके विचार पार्टी के रुख को नहीं दर्शाते। अय्यर की टिप्पणियों ने अक्सर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाला है और बीजेपी को मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधने का मौका दिया है।

20 साल से राहुल को गाइड करना चाह रहे हैं अय्यर!- इस पर अय्यर ने कहा, मैं 20 साल से उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए तैयार हूं, वो लेना ही नहीं चाहते। वो मुझे नापसंद करते हैं। बताइए, मैं कौन होता हूं उन पर अपनी राय थोपने वाला। अय्यर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कुछ लोग राहुल के पास उनकी शिकायत लेकर जाएंगे और इससे वह उनकी बातों पर ध्यान देंगे। यह पूछे जाने पर कि वह राहुल से व्यक्तिगत रूप से क्यों नहीं मिलते और गलतफहमियों को दूर क्यों नहीं करते अय्यर ने कहा, अगर वो नहीं मिलेंगे तो मैं उनसे कैसे मिल पाऊंगा।

सनातन विरोधी टिप्पणी, उदयनिधि स्टालिन को कोर्ट में पेश होने से छूट

बिना अनुमति के नई एफआईआर भी नहीं होगी, सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना तमिलनाडु के डिप्टी सीएम

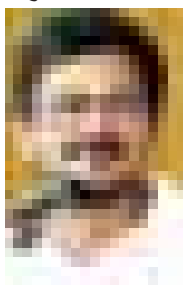

उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ सनातन धर्म विरोधी टिप्पणी मामले में कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। कोर्ट ने गुरुवार को यह आदेश दिया। इसके अलावा सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने उदयनिधि के सुनवाई में उपस्थित रहने से छूट का अंतरिम आदेश भी बढ़ा दिया। उदयनिधि ने 2023 के मामले में दायर कई एफआईआर को एक साथ मिलाकर तमिलनाडु में ही मामला चलाने की याचिका दायर की थी। इसी पर गुरुवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई 28 अप्रैल को होगी।

वृहद कल्पनाओं से भरी थी मेघ के मृदंग नृत्य नाटिका

उज्जैन में विक्रमोत्सव

उज्जैन से डॉ. जफर महमूद

विक्रमोत्सव के अंतर्गत उज्जयिनी नृत्य नाट्य समारोह के दूसरे दिन सुप्रसिद्ध नृत्यांगना समीक्षा शर्मा एवं साथी कलाकारों द्वारा मेघ के मृदंग नृत्य नाटिका को प्रस्तुत किया गया।

प्रस्तुति में मेघ के माध्यम से जीवन के विभिन्न आयामों को प्रकट किया गया। नृत्य में जिंदगी में घटने वाली छोटी-बड़ी, घटनाओं को मोहकता के साथ प्रस्तुत किया गया। सुख-दुख, आशा-उमंग और संत्रास के साथ व्यक्ति के सामाजिक दायित्व और देश के नव निर्माण में समवेत संकल्पों को छंदात्मक पृष्ठभूमि के साथ प्रस्तुती में पिरोया गया । मेघ को केन्द्रित करते हुए बहुत सी नई उद्भावनाएँ इस नृत्य नाट्य में

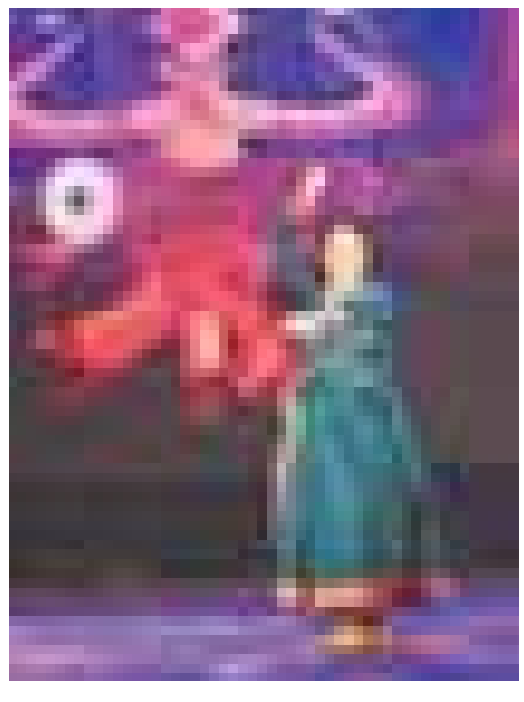

प्रेक्षकों के समक्ष रसात्मक रूप में प्रस्तुत की गयी । मेघों के वृहद कल्पनाओं की इस प्रस्तुति में साहित्य और नृत्य दोनों का समावेश किया गया । नृत्य प्रस्तुति मेंविशेष ध्यान रखा गया कि साहित्य और नृत्य दोनों का सम्मान बरकरार रहे।

समीक्षा शर्मा शास्त्रीय नृत्य कथक की संभावना पूर्ण कलाकार हैं । युवा कथक कलाकारों की श्रेणी में उन्होंनेअपनी साधना से एक अलग पहचान बनाई है। एक ओर वह अच्छी नृत्यांगना हैं, वहीं दूसरी ओर शास्त्रीय पक्ष की समझ रखती हैं।

प्रस्तुत नृत्य नाट्य को ब्रजेन्द्र शरण श्रीवास्तव ने लिखा है। समीक्षा शर्मा के साथ गायन एवं हारमोनियम पर शोएब, तबले पर जाकिर, बांसुरी पर अतुल शंकर, सितार पर महराब अली, सारंगी पर अमीर खान और डोलक पर विवेक धवन ने सुसंगत की। साथी कलाकारों में महिमा यादव, मुस्कान शर्मा, अवनी बालिया, ईशा व्यास, सुमित कुमार व मयंक पटवा ने नृत्य नाटिका को साकार किया। लोक नृत्य कलाकारों में विंती जैन, भावना कटारिया, विधि शर्मा, शेफाली, मयूरी डोड व विनोद राठौड़ शामिल थे। तकनीकी सहयोग मनन तथा प्रकाश व्यवस्था अतुल मिश्रा ने संभाली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वैशाली शुक्ला ने किया।

सुप्रभात

सारे ही सुख थे बगिया में,
फिर क्यों तुमने पीर चुनी है
क्या तुमने भी तन्हाई में,
आँसू की आवाज़ सुनी है
क्या तुमने भी महसूसा है,
एकाकी हो जाना जग में
क्या तुमने जी भर भोगा है,
सब अपने खो जाना जग में
क्या तुमने भी भावुकता को
लुट कर मरते देख लिया है
क्या तुमने भी अपनेपन का
रंग उतरते देख लिया है
क्या तुमने भी जान लिया है
अपने ही घर में शकुनी है
क्या तुमने भी तन्हाई में,
आँसू की आवाज़ सुनी है
सच बतलाओ क्या तुमने भी
चेहरा देखा है रिश्तों का
मुरझाने के बाद कभी क्या
सेहरा देखा है रिश्तों का
क्या तुमने भी हर उत्सव के
अगले पल सन्नाटा झेला
दिल के व्यापारों का दुनिया की
मंडी में घाटा झेला
कोमलता की देह धुने बिन
किन कंधों की शॉल बुनी है
क्या तुमने भी तन्हाई में,
आँसू की आवाज़ सुनी है।

– चिराग़ जैन

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 07 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जज बोले- | न बिंदी, न मंगलसूत्र पति आप पर दिलचस्पी क्यों दिखाएं

मी लार्ड ने कहा-पुरुष लचीले वो किसी से भी शादी कर लेते हैं

कामकाजी महिला ज्यादा कमाने वाला पति ढूंढ़ती है

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिला अदालत में एक महिला ने अपने पति पर घरेलू हिंसा के खिलाफ केस दर्ज करवाया। मामला कोर्ट में पहुंचा, जहां जज साहब ने महिला से कहा- मैं देख सकता हूं कि आपने मंगलसूत्र या बिंदी नहीं पहनी। यदि आप एक विवाहित महिला की तरह व्यवहार करती ही नहीं तो आपके पति आप में क्यों दिलचस्पी दिखाएंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक यूजर ने इस मामले को लेकर एक पोस्ट शेयर किया। वे पेशे से वकील हैं। पोस्ट के अनुसार महिला

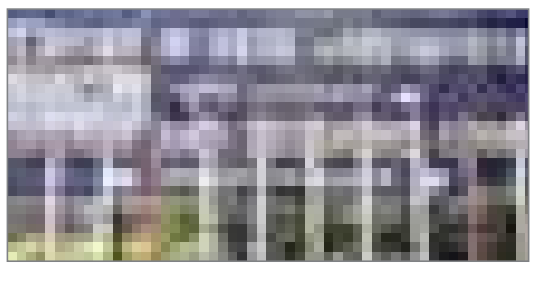

अपने पति से अलग रह रही थी और तलाक की अर्जी दे चुकी थी। जज के इस तरह के सवालों से वह असहज महसूस करने लगी और रो पड़ी। यूजर ने अपने पोस्ट में एक और ऐसे ही मामला शेयर किया। जिसमें एक भरण-पोषण विवाद के दौरान जज ने महिला को अजीब सलाह दी। जज ने कहा- अगर कोई महिला अच्छी कमाई कर रही है तो वह हमेशा ऐसे पति की तलाश करेगी जो उससे ज्यादा कमाता हो। लेकिन एक अच्छा कमाने वाला आदमी तो घर में बर्तन धोने वाली से भी शादी कर सकता है। देखिए पुरुष कितने लचीले होते हैं। आपको भी कुछ लचीलापन दिखाना चाहिए। इतना कठोर मत बनो।

शमी के एनर्जी ड्रिंक पर भड़के मौलाना बोले-वो मुजरिम

रोजा नहीं रखा, यह गुनाह

बरेली (एजेंसी)। यूपी के बरेली के मौलाना शहाबुद्दीन रजवी टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से नाराजगी जताई। उनका कहना है कि शमी ने रमजान में रोजा नहीं रखा, जो गुनाह है। शरीयत की नजर में वह मुजरिम हैं। इनको हरगिज ऐसा नहीं करना चाहिए था। दरअसल, मंगलवार को शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान

ग्राउंड पर एनर्जी ड्रिंक पीते नजर आए थे। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने गुरुवार को वीडियो जारी किया। शमी शरीयत के

नियमों का पालन करें शहाबुद्दीन रजवी ने कहा- शरीयत के नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। इस्लाम में रोजा रखना फर्ज है। अगर कोई व्यक्ति जान बूझकर रोजा नहीं रखता, तो वह गुनहगार माना जाता है। क्रिकेट खेलना बुरा नहीं है, लेकिन धार्मिक जिम्मेदारियों को भी निभाना चाहिए। मैं हिदायत देता हूं कि शमी शरीयत का पालन करें।

खालिस्तान समर्थकों ने लंदन में घेरी जयशंकर की कार

तिरंगा लेकर विदेश मंत्री के सामने पहुंचे और उसे फाड़ दिया

अमृतसर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर की गाड़ी को लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने घेर लिया। उनमें से एक ने उनकी गाड़ी के सामने आकर तिरंगा भी फाड़ा। विदेश मंत्री इस समय लंदन में हैं। उन्होंने यहां चैथम हाउस थिंक टैंक के एक विशेष

कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम के खत्म होने के बाद जैसे ही वे अपनी कार की तरफ बढ़े। वहां पहले से विरोध कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें देखकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद एक

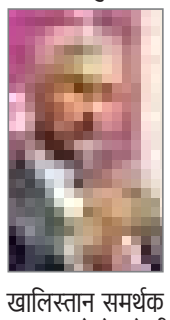

शख्स तिरंगा लेकर उनकी कार के आगे खड़ा हो गया और रास्ता रोक लिया। इस दौरान उसने भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ने जैसी शर्मनाक हरकत भी की। खालिस्तान समर्थक की तिरंगा फाड़ने की हरकत को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और गाड़ी से दूर ले गए। ये पूरी घटना विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक के तौर पर देखी जा रही है।

अच्छा परफार्म करने पर बांटेंगे 29 करोड़ के प्राइज

पांच लाख से अधिक आबादी वाले निगम को चार करोड़, 25 हजार से कम जनसंख्या पर 75 लाख मिलेंगे

भोपाल (नप्र)। नगरीय निकायों को आय में बढ़ोतरी करने पर नगरीय विकास विभाग टॉप पर फार्मर निकायों को 29 करोड़ रुपए के प्राइज बांटेगा। यह प्राइज प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दिए जाएंगे। पिछले 2 वित्तीय वर्षों में राजस्व और गैर राजस्व आय में हुई वृद्धि के प्रतिशत के अनुसार यह प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।हर वर्ग में राजस्व आय के आधार पर 3-3 नगरीय निकायों का चयन किया जायेगा।

नगरीय विकास व आवास विभाग द्वारा निकायों की आय बढ़ाने के लिए लगातार निर्देश देने के साथ उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी बैठकों में नगर निगम महापौर और स्थानीय निकायों के अध्यक्षों को अपनी निकायों को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर बनाने के लिये निर्देश देते रहे हैं।

चालू वर्ष में राजस्व आय में श्रेष्ठ कार्य करने वाले स्थानीय निकायों को पुरस्कृत करने के? लिये विभागीय बजट में 29 करोड़ 4 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। विभाग ने नगरीय निकायों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि उनकी आबादी के हिसाब से तय की है।

- 5 लाख से अधिक आबादी वाले निकायों को इतनी मिलेगी प्रोत्साहन राशि
- प्रदेश के ऐसे नगर पालिक निगम, जिनकी जनसंख्या 5 लाख से अधिक है, उन्हें प्रथम स्थान पर रहने पर 4 करोड़ मिलेंगे
- दूसरे स्थान पर रहने वाले को 2 करोड़ 50 लाख

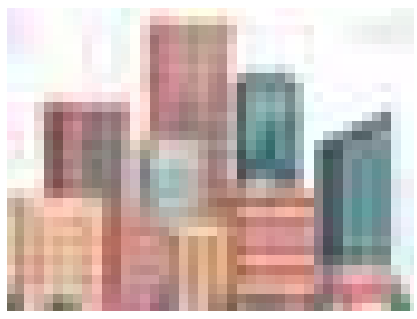

मिलेंगे
- तीसरा स्थान पाने पर 1 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जायेगी
- पांच लाख से कम आबादी वाले निकायों के लिए प्रोत्साहन राशि
- प्रदेश के जिन नगर पालिका निगम की जनसंख्या 5 लाख से कम है, उन्हें प्रथम स्थान पर आने पर 3 करोड़ रुपए मिलेंगे
- दूसरा स्थान मिलने पर 2 करोड़ रुपए दिए जाएंगे
- तीसरा स्थान प्राप्त करने पर एक करोड़ रुपए की राशि दी जायेगी
- एक लाख से कम आबादी तो इतनी मिलेगी प्रोत्साहन राशि
- प्रदेश की ऐसी नगर पालिका परिषद जिनकी जनसंख्या एक लाख से कम है, उन नगर पालिका परिषद को आय वृद्धि पर पहले स्थान के लिये 2 करोड़ रुपए मिलेंगे
- दूसरे स्थान के लिये 1 करोड़ 25 लाख रुपए दिए जाएंगे
- तीसरे स्थान के लिये 75 लाख रुपए दिए जाएंगे
- 25 हजार से अधिक आबादी पर इतनी रकम मिलेगी
- प्रदेश की ऐसी नगर परिषद जिनकी आबादी 25 हजार से अधिक है, उन्हें प्रथम स्थान पर रहने पर एक करोड़ 25 लाख रुपए मिलेंगे
- दूसरे स्थान पर रहने वाले को 75 लाख रुपए दिए जाएंगे
- तीसरा स्थान रहने पर 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी
- 25 हजार से कम आबादी पर इतना पुरस्कार
- प्रदेश की 25 हजार से कम आबादी वाली नगर परिषदों को राजस्व आय वृद्धि में प्रथम स्थान पर आने के लिये 75 लाख रुपए मिलेंगे
- दूसरा स्थान पर आने पर 50 लाख रुपए दिए जाएंगे
- तीसरा स्थान आने पर 29 लाख रुपए की राशि दी जायेगी

ई-नगर पालिका से प्राप्त आकड़ों का होगा परीक्षण- नगरीय निकायों की राजस्व एवं गैर राजस्व आय का निर्धारित मापदंडों के अनुसार संचालनालय स्तर पर ई-नगर पालिका के विश्लेषण के बाद पुरस्कृत किया जायेगा। पुरस्कृत राशि का उपयोग नगरीय निकायों के आधारभूत संरचना के विकास पर खर्च किया जायेगा।

रक्षा खरीद नीति बदलेगी सुधार के लिए कमेटी गठित

- कई बार ये प्रोसेस 15 से 20 साल तक खिंच जाती है, इसका असर टेक्नोलॉजी पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सैन्य बलों का आधुनिकीकरण तेज करने के लिए रक्षा खरीद नीति में बड़े बदलाव की तैयारी है। अब से सैन्य सामान की खरीद फास्ट ट्रैक की जाएगी। रक्षा खरीद नीति में सुधार के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमेटी का गठन किया है। अभी हथियार व सैन्य प्लेटफॉर्म की खरीद में 8 चरण होते हैं। सबसे पहले आकलन करते हैं कि हथियार बाहर से क्यों खरीदना है। फिर खरीद के लिए सूचना आमंत्रित करना, प्रस्ताव मंगाना, टेक्निकल ट्रायल, फील्ड ट्रायल, कॉमर्शियल दावे मंगाना, सबसे कम दाम वाला वेंडर चुनना जैसी प्रक्रियाएं हैं। इस पूरे काम में कम से कम 8 साल लग जाते हैं। कमेटी देखेगी कि यह प्रक्रिया एक-दो साल में कैसे पूरी हो सकती है। डीपीपी में परिवर्तन की मांग जोर पकड़ रही है।

महाकुंभ में ब्लास्ट करने वाला था बब्बर खालसा का आतंकी

कौशांबी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी गिरफ्तार हुआ है। उसकी पहचान लाजर

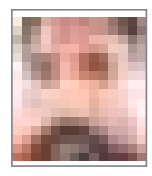

मसीह के रूप में हुई है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया- लाजर महाकुंभ में किसी बड़ी घटना (ब्लास्ट) को अंजाम देने की फिराक में था। इसके बाद वह पुर्तगाल भागना चाहता था। उसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल ने हैंड ग्रेनेड मुहैया कराए थे। डीजीपी ने बताया- यूपी एटीएस ने लाजर मसीह को गिरफ्तार किया है।

सरकार का बड़ा फैसला

बच्चों को मारने पर शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में अब छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट या किसी भी तरह की शारीरिक सजा पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। टीचर्स और अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई भी होगी।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चिट्ठी के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए ऐसी हालत में कार्रवाई के लिए कहा है। साथ ही ऐसे मामलों की रिपोर्ट भी देने के लिए कहा गया है।

लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक रवीन्द्र कुमार सिंह की ओर से शारीरिक दंड (कॉर्पोरल पनिशमेंट) पर पूर्ण प्रतिबंध और कड़ी कार्रवाई संबंधी निर्देश मंगलवार को जारी किए गए हैं। मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इसको लेकर 4 फरवरी 2025 को स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा था।

शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना, भेदभाव दंडनीय अपराध

आदेश के बाद अब इस मामले में सख्त एक्शन के निर्देश दिए जा रहे हैं। अपर संचालक ने कहा है कि मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 की धारा 17 (1) में शारीरिक मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पूरी तरह प्रतिबंधित है। साथ ही धारा 17 (2) के तहत ऐसा करना दंडनीय अपराध है।

भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत शारीरिक दंड भी प्रतिबंधित है। इसलिए प्रदेश के सभी जिलों में संचालित सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों को शारीरिक दंड देने की घटनाओं की त्वरित पहचान करने और इस तरह की स्थितियों पर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं।

सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को ये निर्देश भी दिए गए हैं कि किसी स्कूल या शिक्षक द्वारा शारीरिक दंड देने के मामले में तत्काल एक्शन लेकर अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए।

कमिश्नर ने चिचोली में नवनिर्मित सीएम राइस स्कूल नसीराबाद का किया निरीक्षण

बैतूल। कमिश्नर केजी तिवारी ने कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ जिले के चिचोली में नवनिर्मित सीएमराइस स्कूल नसीराबाद का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां बच्चों के पेयजल, खिड़कियों की रेलिंग, फ्लोरिंग कार्य, बिजली फिटिंग, दरवाजों की बनावट, ऑडोटोरियम, प्रयोगशाला, शौचालय इत्यादि की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्कूल के प्रत्येक तल पर विभिन्न कक्षों में जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में पानी और बिजली की आपूर्ति शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राचार्य सीएमराइस नसीराबाद को स्कूल के विद्युत, पेयजल, रूफ इत्यादि की प्लान की जानकारी रखने के निर्देश दिए। ताकि भविष्य में आवश्यकता पडऩे पर त्वरित सुधार कार्य किया जा सके। उन्होंने प्राचार्य सीएम राइस को निर्देशित किया कि प्रत्येक निर्माण कार्यों का बारीकी से अवलोकन करने और कमियां पाए जाने पर सुधार होने के पश्चात ही स्कूल हैंडोवर लें।

औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले अबु आजमी जाएंगे जेल

महाराष्ट्र विधान परिषद में सीएम देवेंद्र फडणवीस का बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अबु आजमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विधान परिषद में कहा कि समाजवादी पार्टी के विधायक अबु आसिम आजमी को सौ फीसदी जेल में डाला जाएगा। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कहा कि औरंगजेब की प्रशंसा मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके योद्धा-पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान है। अबु आजमी को मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने पर महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित किया गया है। बजट सत्र के समाप्त होने तक विधानसभा से निलंबित किए गए आजमी ने कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें विवादास्पद

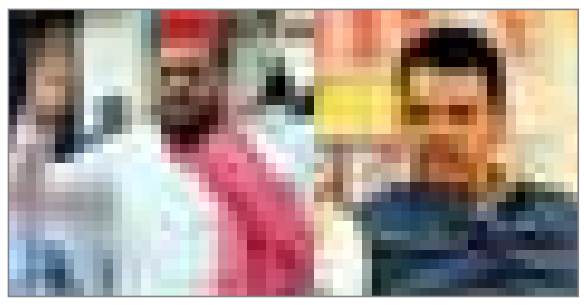

टिप्पणी वापस लेने के बावजूद दंडित किया गया है। बजट सत्र 26 मार्च को समाप्त होगा। विधान परिषद में विपक्ष के नेता और उद्धव ठाकरे शिवसेना के सदस्य अंबादास दानवे ने फडणवीस से पूछा कि आजमी को उनकी टिप्पणी के लिए जेल क्यों नहीं भेजा गया।

दोहरी चाल | बलूचिस्तान में चीन को दे दी 5 हजार एकड़ जमीन! सेना और नौसेना बेस बनाएगा ड्रैगन

भारत के खिलाफ पाकिस्तान ने रची बड़ी साजिश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। क्या पाकिस्तान ने चीन को नौसेना बेस और हवाई अड्डा बनाने के लिए 5 हजार एकड़ जमीन दे दिए हैं। ये दावा किया है पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अधिकारी आदिल रजा ने। उन्होंने पाकिस्तानी खुफिया समुदाय के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि दक्षिणी बलूचिस्तान में चीनी नौसेना और हवाई अड्डे की स्थापना के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को 5,000 एकड़ से ज्यादा अनुमानित जमीन आवंटित किया गया है। ये काफी सनसनीखेज खुलासा है क्योंकि इससे सीधे भारत के ऊपर बड़ा खतरा बनता है। चीन पहले से ही ग्वादर में एक बंदरगाह बना चुका है, जो भारत की सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है। लेकिन अगर वाकई पाकिस्तान ने चीन को जमीन दिया है, तो इसका मतलब है कि नया नौसैनिक बंदरगाह भारत को ध्यान में रखकर ही बनाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक जिस जगह पाकिस्तान ने चीन को 5 हजार एकड़ जमीन दी है, वो जगह ग्वादर से करीब 65 से 70 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दूर तुर्बत के पास स्थित है। आदिल रजा ने खुलासा किया है कि करीब सात साल पहले चीनी राज्य टेलीविजन ने बलूचिस्तान के

जिवानी क्षेत्र में इसी तरह के डेवलपमेंट पर पाकिस्तान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की जानकारी दी थी। ग्वादर में चीन द्वारा निर्मित और नियंत्रित एक मौजूदा गहरे समुद्र के बंदरगाह और हवाई अड्डे के साथ, यह डेवलपमेंट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य पर चीन को महत्वपूर्ण कंट्रोल देगा। आतंकवाद, गरीबी, मुद्रास्फीति, धांधली वाले चुनाव, नागरिक अशांति, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक बदहाली के खतरनाक मिश्रण में फंसा पाकिस्तान हर हाल में भारत को अशांत करना चाहता है और माना जा रहा है कि चीन को 5 हजार एकड़ जमीन अगर दिया गया है, तो इसके पीछे पाकिस्तान की शैतानी साजिश ही है। पिछले साल खुलासा हुआ था कि पाकिस्तान ने ग्वादर बंदरगाह में चीन को नौसैनिक अड्डा बनाने की इजाजत देने का वादा किया हुआ है। आपको बता दें कि ग्वादर पोर्ट किसी काम का नहीं है और उससे पाकिस्तान को कोई फायदा नहीं हुआ है, फिर भी पाकिस्तान ने चीन को करोड़ों डॉलर ग्वादर पोर्ट बनाने के लिए खर्च करने दिए। ग्वादर पोर्ट, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का हिस्सा है।

कल्याणी विवाह योजना जीवन में नवसंचार का है माध्यम: कुशवाह

भोपाल (नप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह योजना असमय विधवा हो चुकी बहनों के जीवन में नव-जीवन के संचार का माध्यम है। उन्होंने योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है। योजना में इस वित्त वर्ष में 709 कल्याणी बहनों को 14 करोड़ 18 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। योजना में गत वित्तीय वर्ष में 510 कल्याणी हितग्राहियों का आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी।

प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणियों (विधवा) को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर, नये जीवन की शुरूआत के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है। योजना में विवाह के बाद कल्याणी बहन को 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ कल्याणी बहनें आसानी उठा सकें इसके लिए विभाग द्वारा कल्याणी विवाह पोर्टल बनाया गया। पोर्टल से योजनाओं की जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ उठाने के लिए आवश्यक है कि कल्याणी बहन और उनका जीवनसाथी मध्यप्रदेश के निवासी हो। विवाह के समय कल्याणी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष या उससे अधिक व कल्याणी के पति की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक हो। कल्याणी आयकरदाता न हो तथा कल्याणी शासकीय कर्मचारी/ अधिकारी न हो, किसी राज्य/केंद्र सरकार या शासन हित पोषित निगम, उपक्रम, संस्था के अधीन कार्यरत कर्मचारी/अधिकारी न हो। कल्याणी को परिवार पेंशन प्राप्त न हो रही हो, कल्याणी का जिस व्यक्ति से विवाह हुआ हो उसकी पूर्व से कोई जीवित पत्नी न हो तथा कल्याणी व कल्याणी के पति की समग्र आई.डी. में पंजीयन होना आवश्यक है।

पुरानी पेंशन बहाली समेत कई मुद्दों पर बजट में हो घोषणा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश शासकीय अधिकारी-कर्मचारी निगम-मंडल एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को लेकर अपनी मांगें रखी हैं। संयुक्त मोर्चा के प्रदेश संयोजक प्रमोद तिवारी और प्रदेश अध्यक्ष उदित भदौरिया के नेतृत्व में कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री से कई महत्वपूर्ण मांगें की हैं।

मोर्चा की प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना की बहाली शामिल है। शिक्षकों और गुरुजी को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने की मांग भी की गई है। साथ ही विभिन्न विभागों में कार्यरत विनियमित और अस्थाई कर्मियों को नियमित करने की मांग रखी गई है।

कर्मचारी संगठनों ने 8 वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उन्होंने सेवानिवृत्ति आयु को भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार एक समान करने का आग्रह किया है। केंद्र सरकार के समान गृह भाड़ा भत्ता और महंगाई भत्ता देने की मांग भी प्रमुख है।

मोर्चा ने मंत्रालय और फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों के लिए समान भत्ते और सुविधाओं की मांग की है। साथ ही सरकारी सेवकों को वार्षिक बोनस देने की मांग भी रखी है। संगठन का कहना है कि जब सरकार किसानों, उद्योगों और लाड़ली बहना योजना के लिए धनराशि दे सकती है, तो कर्मचारियों को भी बोनस मिलना चाहिए।

शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिये राष्ट्रीय नीति का प्रभावी क्रियान्वयन

नीति के क्रियान्वयन के लिये 14 समितियों का गठन

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रभावी तरीके से किया जा रहा है। नीति के क्रियान्वयन के लिये राज्य शासन द्वारा आयुक्त और संचालक स्तर की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों की 14 समितियाँ गठित की गयी हैं। यह समितियाँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न ग्रुप और क्षेत्रों से संबंधित हैं। राज्य शासन ने स्कूल शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में टॉस्क फोर्स का गठन किया है। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पदेन सदस्य हैं। समिति में शासकीय एवं अशासकीय शिक्षाविदों को भी शामिल किया गया है।

सदस्यों के बीच परिचर्चा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं क्रियान्वयन के लिये सदस्यों के बीच परिचर्चा भी करायी गयी है। इसमें अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के साथ समन्वय में विशेषज्ञ के उद्बोधन कराये गये हैं। उन्मुखीकरण के दौरान एनसीईआरटी के विभागाध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फाउण्डेशनल (एनसीएफ) स्टेज विकास प्रक्रिया और राज्य पाठ्यचर्या फाउण्डेशनल (एससीएफ) स्टेज के बारे में भी जानकारी दी गयी है। केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा-निर्देश अनुसार न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) ट्रैकर को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है।

समतामूलक और समावेशी शिक्षा

राज्य में विशेष आवश्यकता वाले चिल्ड्रन विथ स्पेशल नीड्स (सीडब्ल्यूएसएन) 9550 नये बच्चों की पहचान एवं उनका कक्षा-9 से 12 में नामांकन सुनिश्चित किया गया है। इसी के साथ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षण के लिये प्रदेश में 8500 शिक्षकों को वर्ष 2024 में 2 सत्रों में विशेष प्रशिक्षण भी दिलाया गया है। सभी विकासखण्डों में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संसाधन केन्द्र विकसित किये गये हैं।

मुख्यमंत्री यादव की सुरक्षा में तीन डीएसपी तैनात, एक को हटाया

भोपाल। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और उप पुलिस अधीक्षक स्तर के 69 आईपीएस, राज्य पुलिस सेवा के अफसरों के तबादले के बाद गृह विभाग ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात एक डीएसपी को हटाकर तीन नए डीएसपी की पोस्टिंग कर दी है। इसके बाद अब मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात अफसरों में रिक्त पदों का कोटा पूरा हो गया है। गुरुवार को शासन द्वारा जारी आदेश में एसडीओपी भांडेर-दतिया कर्णिक श्रीवास्तव को उप पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा पदस्थ किया गया है। इनके अलावा एसडीओपी पवई-पन्ना सौरभ रत्नाकर और सहायक सेनानी आर-एपीटीसी इंदौर हेमेंद्र सूर्यवंशी को भी उप पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा पदस्थ किया गया है। उधर मुख्यमंत्री सुरक्षा दस्ते में तैनात भैयालाल प्रजापति को डीएसपी मुख्यालय पदस्थ किया गया है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री के सुरक्षा दस्ते में छह डीएसपी के पद स्वीकृत हैं। जिसमें से दो पद रिक्त थे। आज जारी आदेश में एक डीएसपी को मुख्यमंत्री सुरक्षा से हटाया गया है। इसलिए रिक्त पदों की संख्या तीन हो गई और इन पदों को भरने के लिए तीन नए डीएसपी पदस्थ किए गए हैं।

एएसआई को 5 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा

पार्षद बना बिचौलिया, पुलिसकर्मी अंडरग्राउंड, अफजल को कोर्ट में करेंगे पेश

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एएसआई पवन रघुवंशी को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। इस मामले में बीजेपी पार्षद अंशुल उर्फ मोना जैन बिचौलिया था, जिसने पुलिस और मुईन खान के बीच सौदेबाजी कराई थी। आरोपी मोना टीकमगढ़ में राइस मिल भी संचालित करता है। बुधवार को एएसआई पवन रघुवंशी से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पवन को नोटिस पर छोड़ा जाता, लेकिन वह पहले ही अंडरग्राउंड हो गया। एएसआई मनोज और प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र भी फरार हैं। ऐशबाग थाने के निलंबित प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल खुद को निर्दोष बताते हुए अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं। उनका दावा है कि पवन ने बदले की नीयत से उन्हें फंसाया है।

मुईन खान पुलिस के हाथ नहीं लगा- टीकमगढ़ पहुँची पुलिस टीम बुधवार रात खाली हाथ लौट आई। मुईन खान फरार है। सूत्रों के अनुसार, मोना और मुईन करीबी दोस्त हैं। मोना ने मुईन को बचाने के लिए थाना प्रभारी से 25 लाख में सौदा किया था। गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल खुद भी टीकमगढ़ गए थे।

पवन रघुवंशी पहले ही लाइन अटैच हो चुका था, इसलिए टीआई ने उसके माध्यम से

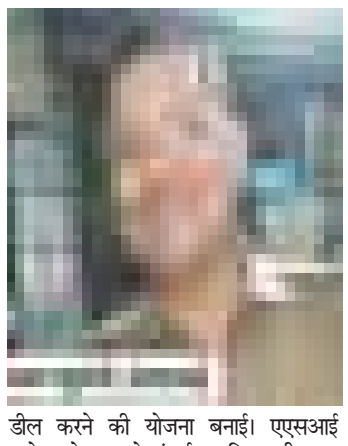

डील करने की योजना बनाई। एएसआई मनोज को पवन से संपर्क कर रिश्वत की रकम लेने और सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई। मनोज ने प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र के साथ मिलकर पवन को पूरा प्लान बताया और उसे भी रकम में हिस्सा देने का भरोसा दिया।

पहले डील मंगलवार रात तय थी, लेकिन मोना उसी रात बाय रोड भोपाल पहुंचा। बुधवार को पवन के बताए अनुसार वह उसके घर पर रिश्वत देने पहुँचा। इसी दौरान क्राइम ब्रांच सहित पाँच थानों की पुलिस सिविल ड्रेस में निगरानी कर रही थी। जैसे ही पवन ने पैसे लेकर घर के अंदर प्रवेश किया, पुलिस ने दबिश देकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

निलंबित थाना प्रभारी बोले-फंसाया गया

निलंबित थाना प्रभारी जितेंद्र गढ़वाल ने सफाई दी कि उनकी शिकायत के बाद पवन को तीन दिन पहले ही लाइन अटैच किया गया था, जिससे वह नाराज था। ट्रैप होने के बाद पवन ने उन्हें फंसाने की कोशिश की। गढ़वाल का दावा है कि जब रिश्वत कांड हुआ, तब वे भोपाल में नहीं थे, बल्कि मुईन की गिरफ्तारी के लिए टीकमगढ़ गए हुए थे।

अफजल को कोर्ट में पेश किया जाएगा

ऐशबाग पुलिस ने ठगी के कॉल सेंटर के संचालक अफजल खान को तीन दिन की रिमांड पर लिया था, जिसकी अवधि आज खत्म हो रही है। पुलिस उसे कोर्ट में पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक, अफजल की और रिमांड की मांग नहीं की जाएगी और उसे कोर्ट के आदेश पर जेल भेजा जा सकता है।

कॉल सेंटर से करोड़ों का लेनदेन

भोपाल के प्रभात चौराहे स्थित एक बिल्डिंग में ठगी का कॉल सेंटर चल रहा था, जहां से देशभर के लोगों को ठगा जाता था। 23 फरवरी को पुलिस ने दबिश देकर संचालक अफजल खान के बेटे को गिरफ्तार किया, लेकिन बाद में छोड़ दिया। मामला तूल पकड़ने के बाद अफजल और उसकी बेटी पर एफआईआर दर्ज कर सोमवार को अफजल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में आरोपी के खाते से करोड़ों रुपए का लेनदेन और 26 युवक-युवतियों की संलिप्तता सामने आई है, जो ठगी में शामिल थे।

एमपी समेत 6 राज्यों का वॉन्टेड तामराज गिरफ्तार

10 सालों से था फरार; धर्म परिवर्तन कर बन गया स्टीफन

भोपाल/सूरत (नप्र)। गुजरात पुलिस ने 10 सालों से फरार ताम्रध्वज उर्फ तामराज को गिरफ्तार कर लिया। ताम्रध्वज रेप के दोषी आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं का कट्टर अनुयायी है। वह आसाराम के खिलाफ आवाज उठाने वाले कई लोगों की हत्या और जानलेवा हमलों के मामले में 6 राज्यों में वांटेड था। इतना ही नहीं, उस पर हरियाणा सरकार ने 50 हजार रुपए का इनाम भी रखा है।

जेल में आसाराम-नारायण साईं से की मिलने की कोशिश- तामराज ने जेल में आसाराम और नारायण साईं से मिलने की भी कई बार कोशिश की, लेकिन हर बार नाकाम रहा। वह आसाराम और उसके बेटे नारायण साईं का इतना कट्टर समर्थक था कि उनके खिलाफ आवाज उठाने वाला हर शख्स उसके निशाने पर होता था।

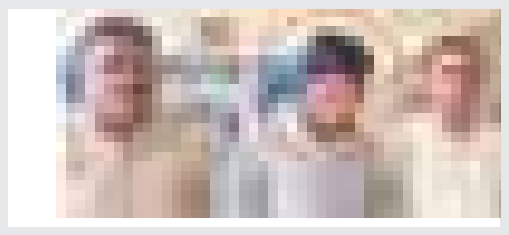

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव का रहने वाला है

देशभर में आसाराम और नारायण साईं के खिलाफ दर्ज बलात्कार और मारपीट के मामलों में गवाहों पर तेजाब फेंकने, जानलेवा हमला करने और हत्या करने के मामले में शामिल ताम्रध्वज उर्फ तामराज उर्फ राज उर्फ स्टीफन (37) को सूरत शहर की क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर से गिरफ्तार किया है। आरोपी छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के बड़भूम गांव का निवासी है। हरियाणा सरकार ने तामराज पर 50,000 रुपए का इनाम रखा था।

और कसेगा आसाराम-नारायण साईं पर शिकंजा

तामराज से पूछताछ के बाद जांच का दायरा बढ़ेगा और आसाराम व नारायण साईं के आपराधिक नेटवर्क से जुड़े और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। आसाराम और नारायण

मकरंद देशपांडे बोले-नाटक में प्रोफेसर-स्टूडेंट का अटूट रिश्ता

भोपाल में हुआ 'सर सर सरला' का मंचन, कहा- यह एक ऐसी विधा जो सांस लेती है

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रवींद्र भवन में अभिनेता मकरंद देशपांडे का मशहूर नाटक 'सर सर सरला' का मंचन हुआ। उन्होंने बताया कि 2001 में पहली बार इस शो का मंचन हुआ था। उस समय इसमें फिल्म मेकर्स और एक्टर्स काम करते थे। इस नाटक में प्रोफेसर और स्टूडेंट के बीच का रिश्ता है।

मकरंद देशपांडे ने बताया कि नाटक एक ऐसी विधा है जो सांस लेती है। लोग नाटक में इसलिए पहुंच जाते हैं क्योंकि यहां हर दिन शो नहीं होता। नाटक कोई मनोरंजन का भाग नहीं है, ये समाज के उत्तर दायित्व का हिस्सा हैं।

ये कलाकार देंगे प्रस्तुति- भोपाल के रवींद्र भवन सभागार में वरिष्ठ रंगकर्मी स्व. आलोक चटर्जी को समर्पित कला, साहित्य, रंगमंच और सिनेमा से जुड़ा इंडिमून्स आर्ट्स फेस्टिवल का आयोजन किया है। यह 4 मार्च से शुरू हुआ और 9 मार्च तक चलेगा। इसमें शरमन जोशी, मकरंद देशपांडे, पंकज कपूर और नीतीश भारद्वाज अपने नाटकों की प्रस्तुति देंगे।

युवाओं के लिए ओपन स्टेज परफॉर्मेंस- फेस्टिवल में शहर के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए ओपन स्टेज परफॉर्मेंस का भी आयोजन किया गया है। सभी कार्यक्रम रवीन्द्र भवन में प्रतिदिन शाम 7

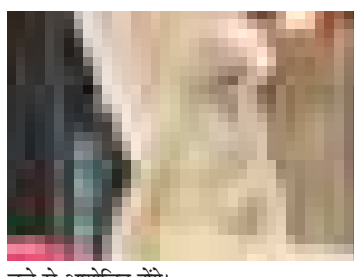

बजे से आयोजित होंगे।

थिएटर, सिनेमा और साहित्य पर विशेष सत्र- आर्ट्स फेस्टिवल के संयोजक बिजॉन मंडल ने बताया कि रंग थिएटर समूह पहली बार इस वृहद फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है। इस आयोजन में रंगमंचीय प्रस्तुतियों के साथ-साथ क्लब लिटराटी द्वारा 'कर्टेन कॉल' सेशन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें फिल्म, सिनेमा, रंगमंच और अभिनय पर विस्तृत चर्चा होगी।

रंगमंच, सिनेमा और साहित्य पर होगी चर्चा- इंडिमून्स आर्ट्स फेस्टिवल के तहत क्लब लिटराटी द्वारा आयोजित 'कर्टेन कॉल' परिचर्चा सत्र होंगे, जहां रंगमंच, सिनेमा और साहित्य से जुड़े विषयों पर चर्चित कलाकार और लेखक अपने विचार साझा करेंगे।

सर्द हवा से फिर ठिठुरा प्रदेश

भोपाल-इंदौर में आज भी रहेगा ठंड का असर

भोपाल (नप्र)। मार्च में पहली बार ठंड ने दस्तक दी है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत मध्यप्रदेश के सभी शहरों में दिन-रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। भोपाल में एक ही रात में पारा 7.8 डिग्री तक लुढ़क गया। वहीं, दिन में 4.7 डिग्री की गिरावट के बाद पारा 26.9 डिग्री पर आ गया। दिन में 20 से 25 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलती रही।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मौसम बदला है। पहाड़ों में बर्फबारी हुई है और सर्द हवा चल रही है। इस वजह से रात के तापमान में खासी गिरावट हुई है। अगले दो दिन तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। 2 से 3 डिग्री की गिरावट और हो सकती है।

10 डिग्री के नीचे पहुंचा रात का पारा- सर्द हवा की वजह से प्रदेश के कई शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार-बुधवार की रात शाजापुर से जुड़े गिरवर में पारा 7.5 डिग्री दर्ज किया गया था, जो प्रदेश में सबसे कम है। राजगढ़ में 8 डिग्री, अशोकनगर के आवरी में 8.2

डिग्री, नीमच के मरूखेड़ा में 9.1 डिग्री, बड़वानी के तालुन में 9.6 डिग्री और गुना में पारा 9.8 डिग्री दर्ज किया गया। धार, सागर, सीधी, रतलाम, खजुराहो, नौगांव समेत कई शहरों में पारे में गिरावट देखने को मिली।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में सबसे ज्यादा 7.8 डिग्री की गिरावट के बाद तापमान 10.6 डिग्री रहा। इंदौर में 3.6 डिग्री की गिरावट हुई और पारा 13.2 डिग्री दर्ज किया गया।

ग्वालियर में 14.2 डिग्री, उज्जैन में 13 डिग्री और जबलपुर में 11.4 डिग्री रहा। गुना में 7.2 डिग्री, खंडवा में 5.4 डिग्री, राजगढ़ में 7.6 डिग्री, रतलाम में 6 डिग्री, धार में 6.2 डिग्री, दमोह में 4.3 डिग्री, जबलपुर में 4.2 डिग्री, सागर में 6.9 डिग्री, सिवनी में 3.8 डिग्री, सीधी में पारा 5 डिग्री तक लुढ़का है। इन शहरों में दिन के तापमान में भी गिरावट का दौर बना रहा।

अस्थाई कर्मचारियों का सरकार के खिलाफ आक्रोश

9-10 मार्च को दो दिवसीय आंदोलन, भाजपा मुख्यालय में देंगे ज्ञापन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में आउटसोर्स और अस्थाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 9-10 मार्च को होने वाले दो दिवसीय आंदोलन की तैयारियों के लिए गुरुवार को जेपी अस्पताल, नूतन कालेज और लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) में नुक्कड़ मीटिंग का आयोजन किया गया।

संगठन के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रियों का रवैया कर्मचारियों के प्रति अपमानजनक है। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री ने अतिथि शिक्षकों को घर में कब्जा करने वाला कहा। स्वास्थ्य मंत्री ने आउटसोर्स कर्मियों को गिड़गिड़ाने वाला बताया। श्रम मंत्री ने तो कामगार वर्ग को भिखारी तक कह दिया।

शर्मा ने बताया कि 9 मार्च को हजारों आउटसोर्स

कर्मचारी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के समक्ष इकट्ठा होंगे। वहां से भाजपा मुख्यालय जाकर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा को ज्ञापन सौंपेंगे और उन्हें विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान जारी संकल्प पत्र में दी गई गारंटी की याद दिलाएंगे।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान होने वाले इस आंदोलन में ग्राम पंचायतों के चौकीदार, पंप ऑपरेटर, स्कूलों और छात्रावासों के अंशकालीन अस्थाई कर्मचारी भी शामिल होंगे। इन कर्मचारियों को दशकों से मात्र 3 से 5 हजार रुपए में काम कराया जा रहा है। अभी तक इन्हें न्यूनतम वेतन तक नहीं दिया गया है। जबकि न्यायालय तक का आदेश है कि न्यूनतम से कम पर काम कराना अपराध है।

शर्मा ने कहा कि सरकार खुद यह अपराध कर रही है और मांगने पर भिखारी कह दिया जाता है। 9 मार्च को इस अपमान का बदला लेने का दिन है इसलिए सभी को पूरी एकजुटता के साथ भोपाल पहुंचने को कहा गया है।

अविवाहित- विधवा पुत्री को पेंशन देने के आदेश जारी करे सरकार

भोपाल। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेंशन नियम 1976 में संशोधन कर पेंशनर की मृत्यु के बाद उसकी अविवाहित/विधवा तलाकशुदा/ परित्यक्ता पुत्री को केंद्र के समान आजीवन पारिवारिक पेंशन देने की मांग की है । प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने इस संबंध में प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि आपकी अध्यक्षता में ही 13 मार्च 2020 को मंत्रालय में पेंशनर फोरम की बैठक में विषयांतर्गत सहमति प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रस्तुत किया गया था। तदुपरांत सिंघल समिति द्वारा भी इस विषय में अनुशंसा करें लगभग तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी पेंशनर की बेटियों को इसका लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है ।

सक्सेना ने मुख्य सचिव से अनुरोध किया है कि विपत्तिग्रस्त/पीड़ित/असहाय/निराश्रित अविवाहित /विधवा /तलाकशुदा/परित्यक्ता पुत्री को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2025 को आजीवन पारिवारिक पेंशन देने के आदेश जारी करें ताकि आत्मनिर्भरता के साथ उनका आर्थिक सामाजिक जीवन पुर्नस्थापित हो सके ।

भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पेंशनर की बेटियों को पारिवारिक पेंशन के आदेश जारी करना प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सराहनीय कार्य होगा ।

केंद्रीय विद्यालयों में एडमिशन के लिए आज से रजिस्ट्रेशन शुरू

बाल वाटिका से कक्षा-एक तक के लिए 21 मार्च तक भरें फॉर्म

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की घोषणा कर दी है। बाल वाटिका और कक्षा-एक में प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन 7 मार्च से शुरू हो रहे हैं, अभिभावक इन कक्षाओं में बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए 21 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने सभी श्रेणियों के छात्रों के लिए रजिस्ट्रेशन फॉर्म निःशुल्क रखा है।

केंद्रीय विद्यालय में अपने बच्चे को पढ़ाने के इच्छुक अभिभावक केवी संगठन की वेबसाइट kvsangathan.nic.in पर जाकर फॉर्म भरा जा सकेंगे। पहली कक्षा की प्रोविजनल लिस्ट 25 मार्च को जारी होगी। बाल वाटिका की पहली प्रोविजनल लिस्ट 26 मार्च को जारी की जाएगी। बाल वाटिका-2, कक्षा दूसरी और अन्य कक्षाओं के लिए रजिस्ट्रेशन 2 से 11 अप्रैल तक चलेगा।

प्रवेश के लिए आयु सीमा भी तय की गई है। बाल वाटिका-1 में तीन से चार वर्ष, बाल वाटिका-2 में चार से पांच वर्ष और बाल वाटिका-3 में पांच से छह वर्ष के बच्चों को प्रवेश मिलेगा। कक्षा पहली में प्रवेश के लिए बच्चों की उम्र छह से आठ साल के बीच होनी चाहिए। संगठन ने सलाह दी है कि एक बच्चे के लिए एक ही विद्यालय में कई आवेदन जमा न करें। ऐसा करने पर केवल अंतिम पंजीकरण फॉर्म स्वीकार किया जाएगा।

आवेदन के लिए यह तैयारी रखें

सिम कार्ड वाला एक मान्य मोबाइल नंबर होना चाहिए।

एक वैध ईमेल पता होना चाहिए।

प्रवेश के इच्छुक बच्चे का एक डिजिटल फोटोग्राफ या फोटो का स्कैन (अधिकतम 256केबी साइज का जेपीजी फाइल) होना चाहिए।

बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र का स्कैन (अधिकतम 256केबी का जेपीजी या पीडीएफ फाइल) होना चाहिए।

आप आर्थिक रूप से कमजोर/गरीबी रेखा के नीचे (ईडब्ल्यूएस/बीपीएल) वर्ग के अंतर्गत आवेदन कर रहे हैं, तो सरकार द्वारा जारी ईडब्ल्यूएस/बीपीएल प्रमाण पत्र का विवरण दें।

माता/पिता के स्थानांतरण का विवरण देना होगा और सेवा श्रेणी (यदि लागू है) का आवेदन पत्र में उपयोग किया जाना है।

ऐसी रहेगी एडमिशन प्रक्रिया

अभिभावकों को सबसे पहले ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर रजिस्ट्रेशन करना होगा। फर्स्ट टाइम यूजर्स को साइन अप कर अपनी जानकारी भरनी होगी।

रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिशन एप्लीकेशन पोर्टल पर जाकर आवश्यक जानकारी भरनी होगी। इसमें छात्र और अभिभावकों की डिटेल, आवश्यक डॉक्यूमेंट्स और पसंदीदा स्कूल की जानकारी शामिल है।

फॉर्म सबमिट करने के बाद उसका प्रिंटआउट जरूर रख लें।

सभी आवेदनों के बाद एक प्रोविजनल लिस्ट जारी की जाएगी। चयनित छात्रों के नाम इस लिस्ट में शामिल होंगे।

एडमिशन से जुड़ी सभी जानकारी स्कूल की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

जब तक आपको ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल से एप्लीकेशन सबमिशन कोड प्राप्त नहीं होता है तब तक आपका आवेदन जमा (सबमिट) नहीं हुआ है और आपका आवेदन विवरण केविसं को दिखाई नहीं देगा।

संपादकीय

मुंडे के इस्तीफे के मायने

महाराष्ट्र में मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे से जहां देश में राजनीतिज्ञों और अपराधियों का भयानक गठजोड़ उजागर हुआ है, वहीं इसको लेकर महायुति में बदलते राजनीतिक समीकरणों का संदेश भी मिल गया है। मुंडे अजित पवार कोटे से हैं। उन पर आरोप है कि राज्य में पिछले साल बीड जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम हत्या करने का मुख्य आरोपी वाल्मीक कराड मुंडे का करीबी रहा है। लिहाजा इस हत्याकांड का साया मुंडे पर भी पड़ रहा था। हालांकि पुलिस ने कराड और उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में कराड ने माना कि उसकी धनंजय मुंडे से नजदीकी है। यह खुलासा होने के बाद मुंडे पर पद छोड़ने का दबाव बना हुआ था, लेकिन किन्हीं कारणों से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा उपमुख्यमंत्री अजित पवार उन्हें बचा रहे थे। इस घटनाक्रम के चलते सत्ता पक्ष के लोगों का मानना है कि इससे सरकार की छवि खराब हो रही थी। इस प्रकरण के भी पहले मुंडे अपनी पहली पत्नी द्वारा कोर्ट में दायर मामले में भी उलझे हैं। पुलिस की पूछताछ में यह भी उजागर हुआ कि मुंडे की हत्या के मुख्य आरोपी के साथ पार्टनरशिप है। वेंकटेश्वर चीनी मिल में कराड और धनंजय पार्टनर हैं। कराड के नाम पर करोड़ों की संपत्ति और उसका धनंजय से कनेक्शन है। इसके अलावा भी धनंजय पर घोटालों के कई आरोप हैं। उधर मुंडे के इस्तीफे पर उनकी चचेरी बहन और गोपीनाथ मुंडे की राजनीति विरासत की दावेदार महाराष्ट्र मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि धनंजय का इस्तीफा बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था। हालांकि मुंडे की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित) के एनडीए में आ जाने से धनंजय और पंकजा में कटुता काफी कम हो गई थी, लेकिन लगता है कि पंकजा को धनंजय के सभी गोरखधंधों की जानकारी थी। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश के बाद धनंजय मुंडे ने कहा कि वो अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दे रहे हैं। हत्या के जिस मामले में मुंडे का नाम आया है, वह बहुत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक कराड के एक साथी सुदर्शन घुले ने 2024 में एक रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर को अगवा कर ने 2 करोड़ रु. की फिरौती मांगी थी। इसकी रिपोर्ट केज पुलिस थाने में की गई थी। लेकिन संतोष देशमुख ने अपराधियों का प्लान फेल कर दिया। जिसका बदला उन्होंने संतोष देशमुख को पेट्रोल पंप से अपहृत कर क्रूर हत्या कर लिया। संतोष देशमुख की निर्मम हत्या के वायरल वीडियो ने पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया। बावजूद इसके मंत्री मुंडे का बचाव बड़े नेता करते रहे। बंजारा समुदाय के तीर्थ भगवानगढ़ के महंत ने भी मुंडे का यह कहकर बचाव किया कि जो हुआ, अनजाने में हुआ। इस बीच धनंजय की बढ़ती मुश्किलों और विपक्ष द्वारा फडणवीस सरकार की लगातार आलोचना के बाद उन्हें पद से हटाने का फैसला किया गया। मुंडे को भले ही हत्या के प्रकरण में हटाया गया हो, लेकिन इसने महायुति में अजित पवार और उनकी पार्टी को शह दे दी है। संकेत साफ है कि गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में भाजपा ही है और सरकार में वही होगा, जिसे भाजपा चाहेगी। वैसे भी भाजपा विधायक सुरेश धस मुंडे के पीछे पहले से लगे हुए थे। मुंडे को हटाकर फडणवीस ने सरकार के एक प्रमुख घटक शिवसेना (शिंदे) को मौन संदेश दे दिया है। माना तो यह भी जा रहा है कि महाराष्ट्र के इस राजनीतिक घटनाक्रम का संदेश बिहार तक जाएगा, जहां भाजपा गठबंधन की सरकार में है। दूसरा सवाल मुंडे की जगह भरने का है। उनके इस्तीफे से राष्ट्रवादी कोटे की एक जगह खाली हुई है। उनकी जगह कौन मंत्री बनता है, यह देखने की बात है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर हैं।

ऋषियों और संतों के देश में बाबा संस्कृति

हमारे देश में महाराष्ट्र में कई बाबा हुए. बाबा के रूप में संत श्री गाडगे बाबा का नाम लिया जाता है. परमपूज्यपाद श्री उड़िया बाबाजी महाराज भारत के सिद्ध संतों में एक थे. उनका अद्भुत जीवन संपूर्ण समाज के लिए एक आदर्श रूप था जिन्हें कामाख्या में मां जगदंबा के आराधक के रूप में प्रतिष्ठा मिली. उनके समकालीन संतों में पूज्य स्वामी श्री करपात्री जी महाराज थे. देवरहा बाबा, भारत के उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में एक योगी, सिद्ध महापुरुष एवं संतपुरुष थे. देवरहा बाबा की आयु के बारे में भी अनेक मान्यताएं हैं. बाबा की उम्र कोई कहता है वे 250 वर्ष से अधिक जिये थे तो कोई इनकी आयु 500 या 800 वर्ष से भी अधिक बताता है. गोरक्षनाथ बाबा, को भला कौन नहीं जानता? महायोगी गुरु गोरक्षनाथ जी के जन्म और कर्म दोनों दिव्य हैं. ऐसा कहा जा सकता है कि जो बाबा गोरक्षनाथ को नहीं जानता वह भारत को नहीं जानता.

भारत आध्यात्मिक देश है. यह इसकी विशेषता है. यह इसके प्राचीन गौरव गाथाओं में उद्धृत है. हमारे देश में वेद, पुराण, उपनिषद्, ऋचाएं, गीता, रामायण, श्रीरामचरित मानस और पंचतंत्र की कथाओं को पढ़ते हुए यह महसूस होता है कि हम क्या थे, हम क्या हैं, और हम किस और बढ़ रहे हैं? लोग आज सवाल करें कि भारत में का बा? तो इसका बहुत अच्छा उत्तर है जो भारत भारत के लोगों को ही नहीं, पूरे विश्व को दे सकता है. भारत में वह सबकुछ है जो अन्य देशों में नहीं है. हमारी भारतीय संस्कृति में जिस प्रकार का जीवन, आचार-व्यवहार है वह दुनिया में मुश्किल से ढूँढने पर मिलेगा.

कालांतर में भारत अगर अपना आंकलन करे तो उसे अब ज़रूर सोचना पड़ सकता है कि वह अपने अतीत को छोड़ दे तो आज किस पर गर्व करे? क्या आज़ हमारे देश में ऐसी कोई बड़ी मिसाल है जिसे हम सम्पूर्ण विश्व में ले जा सकते हैं. मनमोहनसिंह की सरकार ने अहिंसा दिवस जैसा गौरवानुभूति का दिवस दिया तो नरेंद्र मोदी सरकार ने योग दिवस दिया. यह दोनों भारत के आभूषण हैं जिस पर सभी भारतीय गर्व कर सकते हैं. भारतीय आगे क्या ऐसा उदाहरण दे सकते हैं? अगर बौद्धिक समाज आज सोच रहा है तो हमारे देश में बाबा-संस्कृति का जो उभार हुआ, उससे न अहिंसा सम्हल पा रही है और न ही योग-साधना. भारत में बाबा संस्कृति इतना शर्मिंदा करने वाली उभार पाएगी, किसी ने सोचा नहीं था. अब पूरे विश्व में जब भारत का आकलन होगा, और उसमें यह प्रश्न आएगा कि भारत में का बा? तो क्या उत्तर यही मिलेगा कि भारत में बाबा, बा.

हमारे देश में महाराष्ट्र में कई बाबा हुए. बाबा के रूप में संत श्री गाडगे बाबा का नाम लिया जाता है. परमपूज्यपाद श्री उड़िया बाबाजी महाराज भारत के सिद्ध संतों में एक थे. उनका अद्भुत जीवन संपूर्ण समाज के लिए एक आदर्श रूप था जिन्हें कामाख्या में मां जगदंबा के आराधक के रूप में प्रतिष्ठा मिली. उनके समकालीन संतों में पूज्य स्वामी श्री करपात्री जी महाराज थे. देवरहा बाबा, भारत के उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में एक योगी, सिद्ध महापुरुष एवं संतपुरुष थे. देवरहा बाबा की आयु के बारे में भी अनेक मान्यताएं हैं. बाबा की उम्र कोई कहता है वे 250 वर्ष से अधिक जिये थे तो कोई इनकी आयु 500 या 800 वर्ष से भी अधिक बताता है. गोरक्षनाथ बाबा, को भला कौन नहीं जानता? महायोगी गुरु गोरक्षनाथ जी के जन्म और कर्म दोनों दिव्य हैं. ऐसा कहा जा सकता है कि जो बाबा गोरक्षनाथ को नहीं जानता वह भारत को नहीं जानता. अघोराचार्य बाबा श्री कीनाराम उत्तर भारतीय संत परंपरा के एक प्रसिद्ध संत चंदौली जिले के ग्राम रामगढ़ थे. सियाराम बाबा

का आश्रम खरगोन जिले में नर्मदा नदी के तट पर तेली भट्यान में है, उनके बारे में सभी जानते हैं कि विगत दिसंबर में ही 110 साल की उम्र उनकी मृत्यु हुई, वह किस प्रकार के संत थे. नीम करौरी बाबा की गणना बीसवीं शताब्दी के सबसे महान संतों में होती है. भारतीय संतों की सघन चर्चा अविरल होती रही है, पूरब से लेकर पश्चिम तक, उत्तर से लेकर दक्षिण तक नदी तट, कंदराओं, गुफाओं, हिमालय और पीठों में हमारे अनेक बाबा हुए जिन्हें भारत के लोग प्रणाम करते हैं और उनकी महिमा का गुणगान करते हैं. ऐसे ही हमारे देश की साध्वी थीं, महिला संतों का नाम भी गरिमा के साथ लिया जाता है.

लेकिन अब भारत में बाबा जैसी उपाधियाँ धारित करने वाले लोगों की संख्या जो बढ़ी है. बाबागिरी के माध्यम से सम्पूर्ण भारत को समझने और अभिव्यक्त करने की कोशिश भारत को ठगने की कोशिश है. देखने में आया है कि अब बाबा स्वघोषित स्वयंभू, विज्ञ और सर्वश्रेष्ठ कहलाने के लिए सतत कार्य कर रहे हैं. उन्हें अपने अपमान की चिंता है. वह वैयक्तिक हानि को देश की हानि बताने से नहीं चूकते. ऐसे बाबा लोगों ने देश को सबसे ज्यादा असहिष्णु बनाने का काम किया है. लोगों में सहनशक्ति समाप्त हुई है. क्रूरता उनका आभूषण बन चुकी है. ये किसी शंकराचार्य से क्षमा मांगने में स्वयं का अपमान समझते हैं. ये सत्ता का गुणगान करते हैं. इसके लिए उन्हें छल, छद्म, षड्यंत्र या असत्य का सहारा लेना पड़े तो उसे करना अपना धर्म समझते हैं. यह इस देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है.

हमने अतीत से बहुत कुछ सीखा, अर्जित किया. बहुत कुछ बताने के लिए था लेकिन अब बाबा की खेप ने भारत की छवि को धूल-धूसरित कर दिया है. हाल ही में, एक नए बाबा महाकुंभ में उपजे. उन्हें आईआईटियन बाबा के नाम से जाना गया. उन्हें अभी एक मीडिया हाउस द्वारा आमंत्रित किया गया. उनके साथ अपने तरह का शास्त्रार्थ करने आए बाबाओं ने खूब गाली-गलौज किए. वह धरने पर बैठ गए. उन्हें एक बाबा ने पाकिस्तानी एजेंट तक कह दिया. आगे उन्हें क्या-क्या कहा जाएगा, यह भविष्य के गर्त में है. खैर, उनके बाबा होने की अपनी यात्रा है. इस नई-नई शुरू हुई बाबा यात्रा से हमारे देश की मीडिया ने खूब मुनाफा कमाया. अब कूड़ा पीठाधीश्वर, कचरा महामंडलेश्वर, कम्प्यूटर बाबा, एआई बाबा जैसे बाबाओं का उभार इस सदी की चुनौती बनते जा रहे हैं. कुछ समय बाद बाबाओं के पाने देश होंगे. देश का एक बाबा अब अपना एक देश बना लिया और सुनने में आया है कि उस देश को संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे दी. उसके रीप्रेजेंटेटिव संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं. बाबाओं की यह नई पीढ़ी वेद नहीं जानती. लबेद जानती है. यह गाली-गलौज वाली बाबा पीढ़ी है जो भारत के सनातन को अपने तरह का सनातनी परिभाषा गढ़ रही है. इस भोग-विलास वाली बाबा-संस्कृति से हमारे देश का जो पतन होने जा रहा है, उससे देश को चिंता नहीं हो रही है, इससे बड़ा संतोष क्या हो सकता है? बाबा अब त्याग, तपस्या, करुणा, दया, प्रेम और सौहार्द्र को तिलांजलि देकर प्रोफेशनल बाबा हैं. बाबा अब सत्ता सुख, काम सुख, नाम सुख, सम्मान सुख, महिमागान के भूख से तृप्त नहीं होते. ऐसे बाबा भारत के लिए अभिशाप व भारतीय संस्कृति के लिए कब हिंसक संस्कृति के ध्वजवाहक बनकर भारत को मटियामेट कर देंगे, इसका अंदाज़ा कदाचित किसी को नहीं है, नहीं तो इसका विरोध होता. संसद में इसके लिए एक बिल लाया जाता कि भारत में बाबा होने की यह श्रृंखला देशहित में नहीं है और इसके लिए कोई एक आचार-संहिता होनी ही चाहिए. लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि भारत में बाबा संस्कृति से सत्ता सुख की जो भूख मिटाने में मदद मिल रही है, वह ऐसा होने ही नहीं देगी.

हमारे देश में हम क्या थे, और क्या हो गए? हमने जिन संतों के छाँव तले भारतीय संस्कृति को सृजित किया उस पर अब तेज धार वाली आरी चल रही है. हमारे लिए एक अभिशप्त समय दस्तक देने जा रहा है. हमारे ऋषियों, मुनियों, संतों की प्राच्यकाल से चली आ रही परंपरा को आज का छद्म बाबा समाज इस प्रकार कलंकित करेगा, किसी ने सोचा नहीं था. ऐसे में, आज क्या ऐसा हो, इस पर विचार आवश्यक है. यदि देश के सच्चे शिक्षक, सच्चे संत, सच्चे साधक, बौद्धिक वर्ग ने इन स्व-घोषित स्वयंभू बाबाओं से देश को बचाने के लिए प्रतिरोध नहीं किया तो हम उस अँधेरे की ओर जाकर डूब जाएंगे, जहाँ से उबरना भारत के लिए बहुत मुश्किल होगा.

न्याय में विलंब

प्रियंका सौरभ

लेखक स्तम्भकार हैं।

अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या चिंतनीय

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर ज़ोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, 'लंबित मामलों' का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ 'न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है' कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को ख़त्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द्र को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82,000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को ख़त्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को ख़त्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है।

न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेज़ीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेज़ी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है।

वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मज़बूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मज़बूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

कुछ तो भी बोलना, कोई अच्छी बात नहीं

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

वैसे तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसका अमर्यादित हो जाना घोर आपत्तिजनक है। जिस प्रकार हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, ठीक वैसे ही ईंट का जवाब पत्थर से देने का सिलसिला सा चल पड़ता है जिसमें किसी प्रकार की मर्यादा का पालन नहीं किया जाता। परिणाम यह निकलता है कि राजनीति और समाज में कटुता का वातावरण निर्मित हो जाता है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत संबंधों में भी खटास आने लगती है। जहां तक राजनीति की बात है - तो होता यह आया है कि जब कोई शाब्दिक गरिमा का उल्लंघन करता है, तो उसे उसी की भाषा में जवाब सुनने को मिलता है।

राजनेताओं के अमर्यादित बोल मीडिया जगत में काफी सुर्खियां पा जाते हैं, जिसके चलते आम नागरिकों को राजनेताओं के चाल चलन और व्यवहार की जानकारी मिलती है। नागरिकों का एक वर्ग जो किसी राजनेता या दल विशेष के प्रति आसक्ति भाव रखता हैं, एक प्रकार से अनर्गल प्रलाप पर चुप्पी साथ जाया करता हैं या फिर उसके पक्ष में खड़े हो जाता हैं। इसके चलते परस्पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला निरंतर परवान चढ़ने लगता है। लगभग यही स्थिति सामाजिक व व्यक्तिगत जनजीवन में भी दिखाई देती है। लेकिन भावनाओं पर नियंत्रण, सामाजिक एवं व्यक्तिगत जीवन से लाख गुणा राजनीति में रखने की नितांत आवश्यकता है।

हर एक दल एवं राजनेता के अपने- अपने समर्थक और अनुयायी हैं, जो अपने दल एवं नेता की विचारधारा का आंख मूंद कर समर्थन किया करते हैं। किसी भी विषय की गहराई को जाने बगैर केवल और केवल अपने-अपने पूर्वाग्रहों के चलते इनका नाता वास्तविकता से कोसों दूर हो जाता है। हमारे दल ने या हमारे नेता ने जो कुछ कह दिया, उसे पत्थर की लकीर मानकर चलना, कोई अच्छी बात नहीं। लेकिन यह सिलसिला इस समय चरम दौर पर दिखाई देता है। वैसे भी जातीय एवं क्षेत्रीय संतुलन स्थापित करने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा सत्ता एवं संगठन में विभिन्न पदों पर नियुक्ति की जाती है। कई बार ऐसा संतुलन बनाने के चलते अयोग्य को भी योग्य समझ कर उपकृत कर दिया जाता है।

अनेक अवसरों पर यह वर्ग कभी-कभी तो अपनी ही सत्ता या अपने ही संगठन को कटघरे में खड़ा कर देता है। आमतौर पर ऐसा होता है कि किसी अमर्यादित बोल का मामला ज्यादा उछल जाए तो ही दल या सत्ता उससे किनारा करती है। लेकिन उक्त संतुलन स्थापित करने की कोशिश का कोई प्रायश्चित नहीं किया जाता। ऐसे उदाहरण कम ही देखने को मिलते है जिसमें अमर्यादित बोल पर सत्ता या संगठन ने कोई कठोर कदम उठाया हो। ऐसा कदम न उठाने के पीछे राजनीतिक संतुलन कायम रखने की भावना रहा करती है। इसके चलते घोर आपत्तिजनक बोल वचन के दुष्परिणामों के प्रति पूर्ण रूप से निश्चिंतता रहा करती है।

नतीजा यह निकलता है कि राजनीतिक परिवेश की कटुता कहीं न कहीं सामाजिक एवं व्यक्तिगत जनजीवन में भी व्याप्त हो जाती है। वैसे राजनीति में तो ऐसा भी माना जाता है कि अमुक समाज अमुक दल या नेता का समर्थक है। हालांकि यह धारणा वास्तविकता की कसौटी पर कितनी खरी है ? इस पर पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन फिर भी कहीं न कहीं किसी न किसी स्तर पर सचमुच ऐसा होता दिखाई भी देता है। यही कारण है कि चुनावी टिकट वितरण करने की प्रक्रिया में इस तथ्य का भरपूर ध्यान रखा जाता है। दरअसल हर एक अमर्यादित बोल कुछ समय चर्चा का विषय होता है। खासकर तब तक जब तक कि कोई दूसरा अमर्यादित बोल हवा में ना तैरने लगे !

कुल मिलाकर मुद्दे की बात यह कि सामाजिक एवं व्यक्तिगत जनजीवन में शुचिता एवं पवित्रता लाने के लिए राजनेताओं को अपने आचरण और व्यवहार को मर्यादित रखने की जरूरत है। क्योंकि राजनेता के व्यवहार का अनुकरण करने की हमारे यहां एक परंपरा सी चल पड़ी है। देश-प्रदेश की राजनीति में स्थापित लगभग हर नेता के शहर-शहर, नगर-नगर और गांव-गांव में समर्थकों की अच्छी खासी संख्या है। जो कि अपने नेता के समर्थन में समय आने पर मैदान में उतर जाती है। इसलिए सामाजिक एवं व्यक्तिगत जनजीवन में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने के लिए भी तमाम राजनेताओं को वाणी संयम पर ध्यान देना चाहिए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

संजय तेलंग

वरिष्ठ पत्रकार और व्यंग्यकार

शमशान वैराग्य किस चिड़िया का नाम है

जीवन में जब भी किसी को पहली बार वैराग्य लेने का विचार आया होगा तब शमशान या कब्रिस्तान ही एसी जगह होगी जहाँ जाने पर शमशान वैराग्य की घटना घटे या ना घटे पर एक बार विचार जरुर आता है कि छोड़ो इस दुनियादारी को इसमें कुछ नहीं रखा है . जैसा कि महात्मा बुद्ध ने जिन आर्य सत्यों को कहा उनमे से एक आर्य सत्य यह है कि '' जीवन है '' और जीवन है तो मरना जीना लगा ही रहता है . जब कोई मरता है तो मरने वाले के साथ मरा तो नहीं जाता लेकिन उसके मरे गिरे में उसको अंतिम विदाई देने जरुर जाया जाता है . शव के साथ शमशान यात्रा में जाने के शोक के अवसर पर जैसे ही बड़े बड़े अक्षरों में शमशान घाट के द्वार पर रंगीन पेंट से लिखे शब्दों पर ध्यान दीजिये वहां पर आजकल शमशान घाट नहीं मुक्तिधाम लिखा रहता है . जिसे पढ़ते ही आत्मा में एक रोमांच सा पैदा होने लगता है शरीर में फुरफुरी सी दौड़ने लगती है . कपाल क्रिया के बाद पञ्च लकड़ी या कब्रिस्तान में हो तो मिटटी डालने के बाद तो कसम से सब कुछ छोड़ छाड़ कर सन्यास लेने की इच्छा बहुत जोर से जोर मारने लगती है जिसे बड़ी मुश्किल से दबाना पड़ता है . लेकिन वहां रहकर सभी क्रियाकर्म देख कर जब श्रधांजली के बाद शरीर की शुद्धि के लिये अपने शरीर पर पानी छिड़कते है तो यूं समझिये कि वैराग्य की जलती आग पर पानी डालकर ठंडा कर दिया हो . द्वार से बाहर निकलते ही वही बाल , वही बच्चे , वही बाजार वही रिश्तेदार, वही भाव ताव, वही मोबाइल सम्मोहन याद रह जाता है . वैराग्य के भाव शव पर डाले गए कपूर की तरह उड़ जाते हैं या नमक की तरह गल जाते हैं . लेकिन पुराने टाइप के शमशान घाट को छोड़ कर नए आधुनिक कब्रिस्तान और सौंदर्यीकरण किये हुए मुक्ति धाम में इस तरह के विचार मन में लाना एक तरह से वर्जित हो जाता है . आधुनिक मुक्तिधाम में एक पोजिटिविटी आत्मा में प्रवेश करने लगती है ब्रह्म सत्य और जगत मिथ्या की धारणा मिथ्या लगने लगती है. अगर आप भी किसी आधुनिक मुक्तिधाम का भ्रमण कर लें तो संसार असार नहीं असरदार भी है ऐसी भावना बलवती होने लगेगी . इस आधुनिक मुक्ति धाम में आकर वैराग्य के विचार हवा हो जाते हैं क्यों की शमशान जबसे आधुनिक होकर मुक्तिधाम बनकर नए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो रहे हैं तबसे शमशान में वैराग्य नहीं घटता है और वह अपग्रेड होकर वैराग्य से मुक्ति के केंद्र बनते जा रहे है , लेकिन रुकिए अभी विवरण में ट्विस्ट आना बाकी है .

देश का विकास हो ना हो लेकिन आजकल शमशान जिसे सम्मान से मुक्तिधाम कहते हैं में प्रायोजित विकास का अंधाधुन दौर चल रहा है और होना भी चाहिए आखिर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में इनको भी स्मार्ट बनाने का पूरा पूरा हक़ है . शहर के प्रसिद्ध और वर्तमान के मुख्य दर्शनीय स्थल मुक्तिधाम के ए सी सभागार में मुक्तिधाम प्रबंध और विकास समिति की बैठक होने वाली थी . आज का एजेंडा था कि मुक्तिधाम के विकास के लिये एसा और क्या किया जाय कि मुर्दों के साथ आने वाले जीवित व्यक्तियों को यहाँ बार बार आने की कामना तो हो लेकिन एसा ना हो कि यहाँ असार संसार से मुक्ति की कामना होने लगे. हमें एसा पोजिटिव माहोल यहाँ देना चाहिए की जीने की चाह बनी रहे तभी तो मानव आगे बढेगा विकास करेगा सभी भगवा पहन लेंगे तो संसार नीरस हो जायेगा . मुक्तिधाम प्रबंध और विकास समिति की बैठक के एजेंडे में यह एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव था जिसे सबने एक मत से स्वीकार कर लिया था . अब तक के विकास कार्यों जिसे आधुनिकीकरण भी कह सकते है जिसमे शेड बन गया था, श्रद्धांजलि देने और दो मिनट मौन रखने के लिये बड़ा सा लोकसभा माफ़ कीजिये शोकसभा हाल भी बना दिया था, धार्मिक पुस्तकों में लिखे सूत्र वाक्य दीवारों पर लिख दिए गए थे, वृक्षरोपण क्षमा करें आजकल सही शब्द पौधा रोपण हो गया था वही पौधे अब वृक्ष बनने के लिये आतुर होने लगे है यानि बड़े होने लग गए हैं . जैसे पौधे वृक्ष बन गए थे वैसे ही विकास कार्य को भी बड़ा होना चाहिए इसी सोच के कारण एक सदस्य ने सुझाव दिया कि मुक्तिधाम में जगह जगह स्पीकर लगा देना चाहिए जिसमें भगवान के भजन चलते रहे या राम नाम सत्य की गूंज सुनाइ देती रहे उससे मरने वाले की आत्मा को शांति और उनके साथ आने वालों को राम नाम सत्य बोलने में मेंहनत नहीं करनी पड़ेगी और उनकी आत्मा भी पश्चाताप नहीं करेगी कि इतने सारे लोग आये है पर राम नाम सत्य है की अनुगूँज सुनाइ नहीं दे रही है . पार्थिव शरीर चार कन्धों पर जाता है तब वह चार लोग क्या कहेंगे जैसी बातों से अंतिम समय में भी मुक्त नहीं हो पाता हैं क्यों कि चार लोग चार बातें करने के लिये चार मिनट का समय निकाल ही लेते हैं आखिर अंतिम संस्कार होने तक समय बिताना भी एक काम है . कई ज्ञानी बात को इस प्रकार शुरु करते हैं '' दिवंगत ने बड़े अच्छे कर्म किये थे जो बच्चों ने बहुत सेवा करी एसा कोई डाक्टर नहीं छोड़ा जिसको नहीं दिखाया हो . दुसरे ने डाक्टरों द्वारा की जा रही लूट को मुद्दा बनाते हुए कहा '' आजकल तो साहब भगवान का दर हो या डॉक्टर का चेंबर उस में जूते पहनकर जाना श्रद्धा का अपमान है सुख के सब साथी लेकिन दुःख में तो इन्ही दोनों की याद आती है दोनों जगह भेंट चड़ाना जरुरी है . स्वास्थ्य खराब होने पर पहले नीचेवाले यानि डाक्टर का और कोई भी मुसीबत आने पर ऊपर वाले के नाम का उच्चारण अपने आप होने लगता है . बीमारी पर इतना खर्च करने के बाद भी डॉक्टर कहता है ऊपर वाले पर भरोसा रखो '' . मृतक की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर तीसरा बात को अलग मोड़ देते हुए कहेगा '' कोई भी मुसीबत में भगवान के दर पर माथा टेकने जाना ही पड़ता है और बीमारी मे डाक्टर के दर पर दंडवत करना पड़ता है लेकिन सभी इलाज का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होते है ऐसे टाइम अगर आयुष्मान कार्ड नहीं हो तो झोलाछाप डॉक्टर से इंजेक्शन या ग्लूकोज की बोतल का टॉप अप डलवा लेना चाहिए एक तरह से बीमार आदमी रिचार्ज हो जाता है और उम्मीद है तीन बाय छेह की जगह पहुंचने तक इन्सान को यही काम करना है ''.

चार कन्धों पर लेटकर पञ्च तत्वों से मिलने का सोभाग्य प्राप्त करने के लिये भी पंचों का अंतिम उद्बोधन भी सुनना बेहद जरुरी है . उस समय दिवंगत की प्रशंसा , बीमारी , डाक्टर का इलाज, बच्चों द्वारा सेवा करना पंचों के प्रिय विषय होते हैं . अब आप ही बताएं ऐसे माहोल और ऐसे दर्शनीय स्थान पर ज्ञान ध्यान की बातों पर कौन कान देता है अतः वैराग्य क्या खा कर आएगा, मजाल है जो शमशान में वैराग्य घट जाये वैसे भी हर कम सटासट करने वाली पीढ़ी को क्या मालूम कि शमशान वैराग्य किस चिड़िया का नाम है ?

चिंतन

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

बोगनवेलिया सी चहकती रहती है जिंदगी भी

आकर्षक ढंग से सज जाता है और सज कर विस्तार पाता है । हरे पेड़ से लेकर ठूंठ तक सब जगह बोगनवेलिया की ही महिमा है । जहां बोगनवेलिया आ जाता है फिर वही दिखता है । कुछ और नहीं दिखता । जिनके घरों पर बोगनवेलिया लग गया उनका न घर ही दिखता है न ही उनके लोग दिखते हैं । फिर तो लोग-बाग यही कहते मिल जाते हैं कि बोगनवेलिया वाला घर । उस घर का पता कोई मकान नंबर नहीं होता बस बोगनवेलिया वाला घर कह दीजिए पूरी पहचान दे देगा । यह उसके सुर्ख लाल रंग से लेकर अन्य चटक रंगों के कारण ही नहीं उसकी सहज उपस्थिति के कारण भी है । उसके लिए कोई देखरेख भी नहीं करनी पड़ती है । वह तो सहजता के साथ ही लग जाता है और कहीं भी आकार ले लेता है ।

आजकल बोगनवेलिया खिला है और तरह तरह से खिला है । यह आप पर है कि आप कैसे बोगनवेलिया को सजाते हैं और कैसे देखते हैं यदि नहीं सजाया तो बोगनवेलिया अपने ही अंदाज में बढ़ता चला जायेगा और इस तरह तो यह पेड़ों की उपरी शाख पर जाकर मगन हो जाता है और खिल पड़ता है । इसके रंग चटक लाल और गुलाबी से लेकर हल्के पीले सफेद और अलग अलग छंटा लिए हुए खिलते रहते हैं । बोगनवेलिया जब खिलता है तो सब ही उसके दिवाने हो जाते हैं । हों भी क्यों नहीं जिधर से निकलों उधर से ही बोगनवेलिया बुलाता सा दिखता है। आकर्षक ढ़ंग से सज जाता है और सज कर विस्तार पाता है । हरे पेड़ से लेकर ठूंठ तक सब जगह बोगनवेलिया की ही महिमा है । जहां बोगनवेलिया आ जाता है फिर वही दिखता है । कुछ और नहीं दिखता । जिनके घरों पर बोगनवेलिया लग गया उनका न घर ही दिखता है न ही उनके लोग दिखते हैं । फिर तो लोग-बाग यही कहते मिल जाते हैं कि बोगनवेलिया वाला घर । उस घर का पता कोई मकान नंबर नहीं होता बस बोगनवेलिया वाला घर कह दीजिए पूरी पहचान दे देगा। यह उसके सुर्ख लाल रंग से लेकर अन्य चटक रंगों के कारण ही नहीं उसकी सहज उपस्थिति के कारण भी है । उसके लिए कोई देखरेख भी नहीं करनी पड़ती है । वह तो सहजता के साथ ही लग जाता है और कहीं भी आकार ले लेता है । धूप गर्मी किसी की परवाह नहीं बस खिलना और अपने रंग रूप के साथ बने रहना ही उसकी पहचान है जो सड़क पर, घरों में, पार्कों में और दीवारों से लेकर पेड़ों तक आजकल अपना जादू बिखेरता रहता है । कहते हैं कि बोगनवेलिया का जलवा है । बोगनवेलिया भी ऐसे सामने आ जाता है कि बस देखते देखते खो जाएं । रंग भी तरह तरह के जाफरानी, बोगनवेलिया से लेकर जर्द पीले बोगनवेलिया और सफेद रंग के भी अलग अलग सेड से बोगनवेलिया ने दीवारों को सजा रखा है । कालेज के सामने से रेलवे स्टेशन वाली सड़क पर तो ऐसे ऐसे बोगनवेलिया हैं कि मानो लगता है कि पीपल से भी ऊंचे चलें जायेंगे । ऐसे बोगनवेलिया देखकर झाड़ी नहीं पेड़ का भी आभास होता है । आजकल हर डिवाइडर कनेर, बोगनवेलिया से ऐसे सजा हुआ दिखता है कि बस आप देखते ही रह जायेंगे कि हां बोगनवेलिया ने बुलाया है तो चलें बोगनवेलिया को देखते हैं । जिंदगी भी बोगनवेलिया सी ही होती है जो हर समय चहकती रहती है, खुशियों के रंग में खिलती है और आदमी इस बोगनवेलिया को बस जिंदगी समझ कर देखता रह जाता है । बोगनवेलिया खुद को रंगता है और औरों को भी रंग देता है । इधर होली का फागुनी मौसम चल रहा है । चारों तरफ रंग ही रंग खिले से दिखते हैं । जहां रंग नहीं वहां कुछ नहीं । यह दुनिया रंगों के सहारे ही आगे बढ़ती है । हर रंग जीने के प्रति चाह पैदा करता

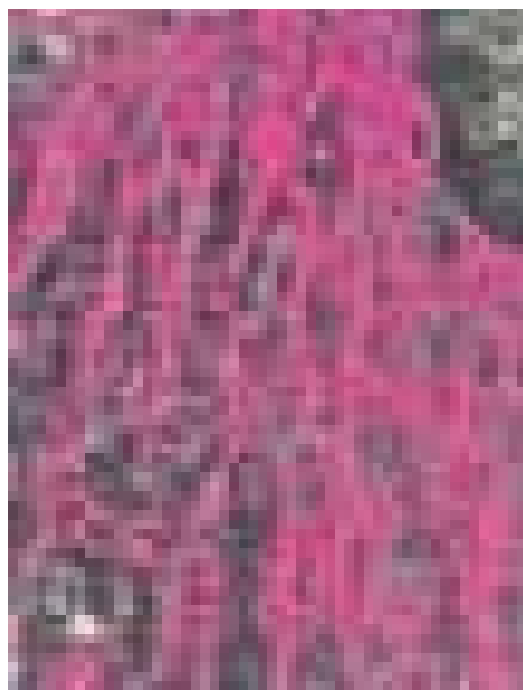

है । होली का पर्व इसी चाह का प्रतीक है जिसमें रंगों के साथ मिलते खिलते आदमी मिलते हैं । हर आदमी की पहचान इस समय सिर्फ़ रंग भर हो जाती और रंग भी ऐसा कि पूरे सिर पर चढ़कर बोलता है । होली के रंग खेलते को कहते हैं । केवल अपनी उपस्थिति भर नहीं देते, होली में रंग ही उत्सव रचते हैं और इन रंगों के साथ जीवन की अनंत छवियों को देखने का अवसर मिलता है। रंगों के साथ जब जीवन जीना हम सीख लेते हैं तो हर रंग हमारे साथ चलता है। हंसता बोलता बतियाता है और अंकुठ भाव से हमारे भीतरी बाहरी संसार को एक साथ ऐसा रंग देता है कि कुछ भी अलग नहीं दिखता। रंग रूप सब एकमेव हो जाते हैं। रंगों से भीगे चेहरे ऐसे दिखते हैं कि एक बारगी उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। वे तो बस रंग भरे चेहरे होते हैं। इन रंगों के साथ आदमी में उल्लास, उत्साह और हर्ष की जो ध्वनि होती है वह बस देखते ही बनती है ।

होली के रंगों में जीवन भीगा भीगा, घुला-घुला सा दिखता है । यहां से हर्ष उल्लास व उत्साह का एक चक्र चल पड़ता है । होली के रंग में सब रंग जाने के लिए बेताब से दिखते हैं । होली का पर्व प्रकृति के आंगन में खेला जाता है । प्रकृति, बोगनवेलिया सब मिलकर रंगों का ही राज गाते रहते हैं । यह दुनिया भी इसी तरह रंगों के रंग से, बोगनवेलिया की तरह खिलती रहे और इसके साथ शहर दर शहर मगन मन लोग-बाग मिलते जायेंगे । कोटा तो बोगनवेलिया के रंग में ऐसे नहा लिया है कि लगता है कि सारा होली का उत्सव और रंग बोगनवेलिया पर ही उतर आया है । आप कहीं से कहीं होकर आ जाएं हर जगह बोगनवेलिया ही इंतज़ार करता मिलता है । यदि देखरेख हो तो ठीक न हो तो और ही मगन हो जाता है । मन की तरह ही आनंदित होने की कला बोगनवेलिया को अंदर बाहर से मजबूत बनाती है । बोगनवेलिया और आदमी खिलने और रंगों में डूब जाने के लिए ही बने होते हैं । बोगनवेलिया की छांव में यह जो चाय की थड़ी है उस पर चाय पीने और रंगों की बात करने का आनंद ही अलग है । चाय पीते हुए दुनिया के रंगों को भी देखते चलें तथा जीवन को आनंद के साथ जीते हुए ही बोगनवेलिया से कुछ न कुछ सीखते भी चलें । दुनिया को रंग के साथ ही जीना सीख चाय की थड़ियों से लेकर पेड़ की दुनिया तक और बोगनवेलिया तक सुकून जिंदगी की तरह ही पसरा रहता है बस इसे जीने का हुनर आना चाहिए । बोगनवेलिया, चाय और जीवन एक दूसरे को सुकून देते हुए जिंदगी में रंग घोलते रहते हैं ।

महिला दिवस पर विशेष

देशना जैन

स्वतंत्र भारत की प्रभावी राजनीतिक महिलाएं

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और समाजोत्थान में महिलाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा है। और भारत के स्वतंत्र होने के बाद भी महत्वपूर्ण योगदान महिलाओं का रहा है। आज़ादी के पहले जहॉ विदेशी ताकतों के बहिष्कार की चुनौती थी, समाज में कुरितियों को खत्म करना था, वहीं स्वतंत्र भारत में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरुक करना और समाज में बराबरी का दर्जा दिलाना बड़ा महत्वपूर्ण काम रहा है। संविधान के निर्माताओं ने महिला अधिकारों की पैरवी की थी। उसी अधिकार के बल पर भारत की कई महिलाएं राजनीति के शिखर को छू पाई और अपने कार्यों से समाज हित में, देश हित में नई क्रांति कर पाई। जिन महिला नेत्रियों का योगदान उल्लेखनीय है। उनमें कुछ नाम स्वतंत्र भारत के जन-जन की जुबां पर है।

विजय लक्ष्मी पंडित- विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म 18 अगस्त 1900 को हुआ। वे स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ थी। वे स्वतंत्रत भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बहन थी। उन्होंने भी स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। महात्मा गांधी के आंदोलन से प्रभावित होकर वे कई आंदोलन से जुड़ी और जेल भी गई। वे भारत की पहली राजदूत और पहली कैबिनेट मिनिस्टर रही।

इंदिरा गांधी- प्रियदर्शनी के नाम से जानी जाने वाली भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को प्रयागराज में हुआ। वे अपनी दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और निर्णायक नेतृत्व के लिए जानी जाती है। उनके कार्यकाल में हरित क्रांति को बढ़ावा मिला, जिससे हमारा देश कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बना। 1971 के दौरान हुए भारत-पाक युद्ध में उनकी भूमिका में बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिली। उन्होंने अपने कार्यकाल में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, प्रिवी पर्स की समाप्ति जैसे अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए। इसके अतिरिक्त इन्होंने 1975 में देश में आपातकाल लगाया जो काफी विवादास्पद रहा। अंत में ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान उनकी हत्या कर दी गई।

प्रतिभा पाटिल- प्रतिभा देवी सिंह पाटिल का जन्म 19 दिसंबर 1934 को नदगांव महाराष्ट्र में हुआ। उन्हें देश की पहली राष्ट्रपति बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वे कांग्रेस पार्टी की नेता रही एवं राज्यपाल के रूप में भी कार्य किया। उनके कार्यकाल में मुख्यतः महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण पर कार्य किये गये। उनका शिक्षा और स्वास्थ्य नीतियों में भी योगदान रहा। वे अपने सरल स्वभाव के लिए जानी जाती है ।

सुषमा स्वराज- सुषमा स्वराज का जन्म 14 फरवरी 1952 को अंबाला में हुआ। वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रमुख नेता रही हैं। एवं वे भाजपा की पहली महिला मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, महासचिव, प्रवक्ता और विदेश मंत्री भी बनी। उन्होंने कई अहम नीतिगत फैसले लिए और महिला भागीदारी बढ़ाने के लिए सतत् कार्य किया। वे भारतीय संसद की प्रथम एवं एकमात्र ऐसी महिला सदस्य हैं जिन्हें आउटस्टैंडिंग पार्लिमैण्टेरियन सामान मिला है। वे अपने सरल व्यवहार और कुशल प्रशासन के लिए जानी जाती है।

सुमित्रा महाजन- ताई के नाम से लोकप्रिय सुमित्रा महाजन का जन्म 12 अप्रैल 1943 को हुआ। वे भारतीय राजनीति एवं लोकसभा की अध्यक्ष रही। उनका राजनीतिक जीवन इंदौर की नगर निगम पार्षद के रूप में चुने जाने से प्रारंभ हुआ। वे लगातार आठ बार लोकसभा अध्यक्ष चुनी गई, जो उनके लोकप्रियता और संसदीय अनुभव को दर्शाता है। उनकी छवि एक ईमानदार और समर्पित राजनेता की रही हैं। राजनीति के अलावा वे साहित्य और संस्कृति में भी रुचि रखती है।

ममता बैनर्जी- ममता बैनर्जी का जन्म 5 जनवरी 1955 को कोलकाता में हुआ। वे भारतीय राजनीतिक दल तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख नेता एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनी। इन्हें डॉक्टरेट की मानक उपाधि भी प्राप्त है। मात्र 15 साल की उम्र से ही राजनीति में शामिल है।

वे अब भी अपनी बुलंद और सख्त राजनीति के लिए जानी जाती है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए काफी प्रयास किए। साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की कई योजनाएं चलाई। उन्होंने वामपंथी शासन को समाप्त कर बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव लाया। हालांकि उनके कार्यकाल में उन पर कई राजनीतिक विवाद और आरोप भी लगाए गए।

जयललिता - जयललिता जयरामन का जन्म 24 फरवरी 1948 को हुआ। वे दक्षिण भारतीय राजनीतिक दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम की महासचिव बनी। इसके पूर्व वे तमिलनाडु की मुख्यमंत्री बनी। उन्हें 'अम्मा' के नाम से भी जाना जाता है। उनके शासन काल में राज्य की आर्थिक और बुनियादी स्थितियों में काफी बदलाव आए। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए कई योजनाएं चलाई। जिन्में से अम्मा कैंटीन, अम्मा पानी सबसे सफलतम योजनाएं रही। वे आज भी तमिलनाडु की राजनीति में प्रेरणादायक व्यक्तित्व मानी जाती है।

सोनिया गांधी- 9 दिसंबर 1946 को इटली में जन्मी सोनिया गांधी, कांग्रेस पार्टी की सबसे वरिष्ठ नेता मानी जाती है। वे कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष बनी और करीब दो दशक तक पार्टी का निर्देशन किया। वे राजनीति में प्रवेश के पहले सार्वजनिक जीवन से दूर थी, लेकिन पति राजीव गांधी की मृत्यु के बाद उन्होंने कांग्रेस को मजबूती दी। वे आज भी पार्टी की मार्गदर्शक बनी हुई है।

मायावती- मायावती का जन्म 15 जनवरी 1956 को दिल्ली में हुआ वह मुख्य भारतीय राजनीतिज्ञ है और चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही है। वह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष है। जो सबसे कमजोर वर्गों अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक के सामाजिक परिवर्तन के लिए केंद्रित है। इन्हें जनता 'बहन जी' कहकर संबोधित करती है ।

महबूबा मुफ्ती- महबूबा मुफ्ती का जन्म 22 में 1959 को हुआ। वे जम्मू कश्मीर की प्रमुख नेता और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष हैं। वे जम्मू-कश्मीर की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी। वे अपने नरमपंथी व्यवहार और कश्मीरी युवाओं से संवाद स्थापित करने की कोशिशों के लिए जानी जाती है। इनकी राजनीति मुख्य रूप से कश्मीर और लोगों के अधिकारों पर केंद्रित रही है। कई बार विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में भी रही है।

वसुंधरा राजे- वसुंधरा राजे सिंधिया का जन्म 8 मार्च 1953 में हुआ। वे भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता रही है। साथ ही वे राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री भी रही है। उन्होंने राज्य में बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण और औद्योगिक विकास पर जोर दिया। भामाशाह योजना और जल वलंबन अभियान जैसी योजनाएं उनके कार्यकाल में शुरू की गई। वे राजस्थान में भाजपा के मुख्य चेहरों में से मानी जाती है।

द्रौपदी मुर्मू- द्रौपदी मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा में हुआ। वे भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति है। जिन्होंने 24 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। इससे पहले वे झारखंड की पहली राज्यपाल के रूप में कार्यरत रही है। उन्होंने एक शिक्षिका के रूप से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करी। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और सादगी का प्रतीक है। उनका आदिवासी सशक्तिकरण, महिला अधिकार जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

निर्मला सीतारमण- भारत की तत्कालीन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को तमिलनाडु में हुआ। इन्हें भारत की पहली महिला वित्त मंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इससे पहले वे रक्षा मंत्री भी रह चुकी है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई आर्थिक सुधार, बजट प्रावधान और नीतिगत फैसले लिए, जिनका प्रभाव देश की वित्तीय स्थिरता और विकास पर पड़ा। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को नई दिशा प्रदान की है।

इनके अलावा स्मृति ईरानी, उमा बाजपेई, नितिशा कुमार, मीरा कुमारी, राहत विश्वास, मेनका गांधी, आनंदी बेन पटेल, शीला दिक्षीत के भी नाम उल्लेखनीय है जो वर्तमान में भारतीय राजनीति में अलग-अलग स्तरों पर नेतृत्व कर रही हैं। संसद से लेकर ग्राम पंचायतों तक कई महिलाए है जिनके काम मील के पत्थर की तरह है। आज उन सब महिलाओं के अभिनंदन का दिन है जिन्होंने अपने सामर्थ पर एक नई लकीर खींची।

मुद्दा

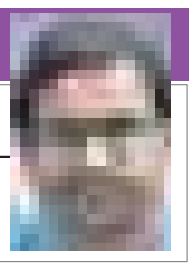

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तम्भकार हैं।

विवाह या गुलामी : जब पत्नी की सहमति का कोई मोल नहीं

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने फ़ैसले में कहा कि विवाह के भीतर पति द्वारा पत्नी के साथ जबरन यौन संबंध स्थापित करना बलात्कार नहीं माना जाएगा । यह निर्णय भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के तहत दी गई उस अपवाद धारा के आधार पर दिया गया, जो स्पष्ट रूप से कहती है कि यदि कोई पुरुष अपनी पत्नी के साथ जबरदस्ती संबंध बनाता है और उसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है, तो इसे बलात्कार नहीं माना जाएगा । यह फ़ैसला दिखाता है कि भारतीय न्यायपालिका और विधायिका अब भी विवाह को एक अनुबंध के रूप में देखती है, जिसमें पत्नी को पति के अधीन समझा जाता है। इसका सीधा अर्थ है कि शादी के बाद पत्नी की सहमति कोई मायने नहीं रखती और पति को उसके शरीर पर पूरा अधिकार होता है।

भारत में विवाह को एक पवित्र संस्था माना जाता है, जहाँ पति-पत्नी का रिश्ता आपसी प्रेम, सम्मान और समर्पण पर आधारित होना चाहिए। लेकिन जब इस रिश्ते में एक पक्ष की सहमति और गरिमा को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया जाए, तब यह बंधन प्रेम और सुरक्षा का नहीं, बल्कि उत्पीड़न और अधिकार का प्रतीक बन जाता है। हाल ही में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के एक फ़ैसले ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत में विवाह सिर्फ़ पति के अधिकारों का दस्तावेज़ भर है, और पत्नी उसकी इच्छाओं को पूरा करने का मात्र एक माध्यम। यह फ़ैसला न केवल महिलाओं के अधिकारों पर आघात करता है, बल्कि यह साबित करता है कि हमारी न्यायिक और राजनीतिक व्यवस्था पितृसत्तात्मक सोच से अभी भी मुक्त नहीं हुई है।

क्या कहता है छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का फैसला?

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने फ़ैसले में कहा कि विवाह के भीतर पति द्वारा पत्नी के साथ जबरन यौन संबंध स्थापित करना बलात्कार नहीं माना जाएगा। यह निर्णय भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के तहत दी गई उस अपवाद धारा के आधार पर दिया गया, जो स्पष्ट रूप से कहती है कि यदि कोई पुरुष अपनी पत्नी के साथ जबरदस्ती संबंध बनाता है और उसकी उम्र 18 वर्ष से अधिक है, तो इसे बलात्कार नहीं माना जाएगा।

यह फ़ैसला दिखाता है कि भारतीय न्यायपालिका और विधायिका अब भी विवाह को एक अनुबंध के रूप में देखती है, जिसमें पत्नी को पति के अधीन समझा जाता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि शादी के बाद पत्नी की सहमति कोई मायने

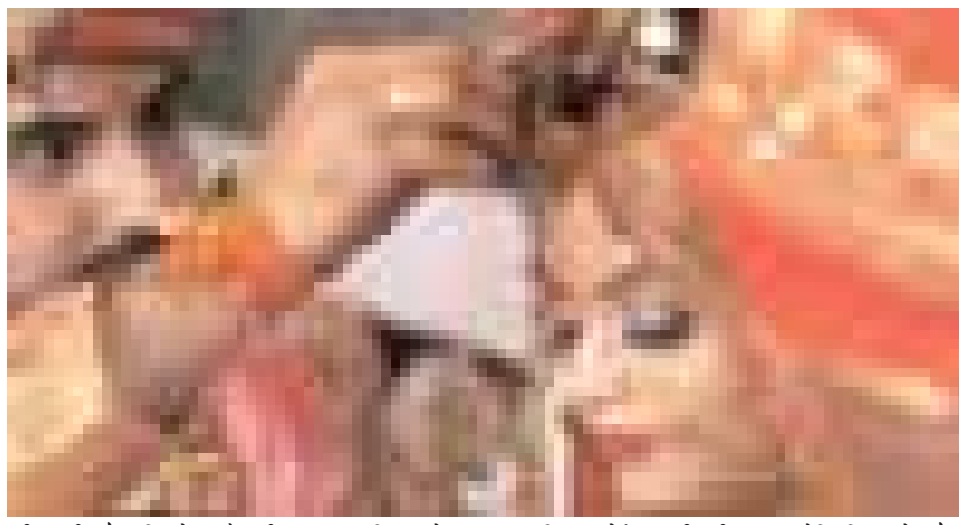

नहीं रखती और पति को उसके शरीर पर पूरा अधिकार होता है।

मैरिटल रेप: कानूनी मान्यता और समाज की मानसिकता

विश्व के कई देशों में मैरिटल रेप को अपराध की श्रेणी में रखा गया है, लेकिन भारत उन कुछ गिने-चुने देशों में से एक है जहाँ अभी भी यह अपराध नहीं माना जाता। इस मानसिकता के पीछे तर्क दिया जाता है कि शादी के बाद पति-पत्नी के बीच सहमति का कोई प्रश्न ही नहीं उठता क्योंकि विवाह में 'यौन संबंध' एक स्वाभाविक अधिकार होता है।

यह तर्क पूरी तरह से पितृसत्तात्मक सोच पर आधारित है, जिसमें महिला की इच्छा, उसकी भावनाएँ और उसका अस्तित्व गौण हो जाता है। सवाल यह उठता है कि अगर शादी एक आपसी समझ और प्रेम पर आधारित संबंध है, तो उसमें ज़बरदस्ती की गुंजाइश कैसे हो सकती है?

कानूनी व्यवस्था और राजनीतिक ढांचा: पितृसत्ता का गढ़

भारतीय विधायिका और न्यायपालिका बार-बार यह तर्क देती रही है कि यदि मैरिटल रेप को अपराध मान लिया गया तो विवाह संस्था पर संकट आ जाएगा। असल में, इस तर्क के पीछे यह भय छिपा है कि यदि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर दिया गया, तो वे उत्पीड़न सहने से इनकार कर देंगी। सरकार और न्यायपालिका यह भी मानती है कि यदि मैरिटल रेप को कानूनी अपराध घोषित कर दिया गया, तो इसका दुरुपयोग किया जाएगा। यह तर्क इस तथ्य को नज़रअंदाज़ कर देता है कि हर कानून का दुरुपयोग संभव है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम एक ज़रूरी कानून ही न बनाएँ।

क्या शादी के नाम पर औरत को सेक्स टॉय बना दिया गया है?

जब न्यायपालिका खुद यह कहती है कि पति को पत्नी के शरीर पर संपूर्ण अधिकार है, तो इसका सीधा अर्थ यही निकलता है कि औरत को उसकी इच्छा, गरिमा और स्वायत्तता से पूरी तरह वंचित कर दिया गया है। यह विचार इतना भयावह है कि यह विवाह को प्रेम, सहयोग और समानता का बंधन मानने की पूरी अवधारणा को ही ध्वस्त कर देता है।

यदि कोई महिला अपनी सहमति के बिना किसी पुरुष के साथ संबंध बनाने को तैयार नहीं है, तो वह बलात्कार ही है– फिर चाहे वह महिला की शादी हो चुकी हो या नहीं। जब समाज और कानून यह कहता है कि शादी के बाद बलात्कार की परिभाषा बदल जाती है, तो यह सिर्फ़ औरत को एक वस्तु के रूप में देखने की मानसिकता को ही उजागर करता है।

क्या भारत में कभी बदलेगा यह कानून?

भारत में कई बार मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की माँग उठी है, लेकिन हर बार इसे दबा दिया गया। सरकार और न्यायपालिका इसे कानून बनाने की बजाय परिवार की एकता और भारतीय संस्कृति की दुहाई देती है।

हालांकि, महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों और कार्यकर्ताओं की लगातार कोशिशों से अब इस विषय पर चर्चा ज़रूर शुरू हुई है। सुप्रीम कोर्ट में भी इस पर सुनवाई हो चुकी है और उम्मीद है कि भविष्य में इस पर कोई ठोस निर्णय लिया जा सकता है।

क्या यह एक सभ्य समाज का परिचायक है?

अगर एक सभ्य समाज की पहचान महिलाओं के अधिकारों और उनकी गरिमा से होती है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या भारत वास्तव में एक सभ्य समाज है? जब विवाह संस्था को स्त्री की स्वतंत्रता को कुचलने के औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो इसका पवित्रता से कोई लेना-देना नहीं रह जाता।यह समय है कि भारत इस शर्मनाक कानून से मुक्त हो और महिलाओं को भी पुरुषों की तरह बराबरी का अधिकार मिले। जब तक कानून और समाज यह नहीं समझेंगे कि पत्नी कोई सेक्स टॉय नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र इंसान है, तब तक भारत में स्त्रियों के लिए वास्तविक न्याय संभव नहीं हो सकता।

कांग्रेस ने जलाया प्रहलाद पटेल का पुतला प्रशासन ने किया वाटर केनन का प्रयोग

बैतूल। मप्र शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल के मप्र की भोली भाली जनता को भीख मांगने जैसे शब्दों से अपमानित करने के विरोध में पूरे प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर कांग्रेस को पुतला दहन करने आदेश दिया इसी तारतम्य में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सारणी किशोर चौहान के नेतृत्व में गुरुवार को प्रशाशन की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यालय के सामने पुतला दहन किया पुतला दहन करने में नेता प्रतिपक्ष पिंटिश नागले, भूषण कांति, हेमन्त धोटे, गौतम नागले,रोहन रघुवंशी, राहुल जायसवाल, मिलिंद थोराट, गोविंदा अरोलू इससे पूर्व कांग्रेस ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को ज्ञापन सौंपकर मप्र शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल को बर्खास्त करने का निवेदन किया।

इस अवसर पर कांग्रेस के तिरुपति अरोलू, मो इलियास, महेंद्र भारती, भोला कांति, अब्दुल रज्जाक, मो ताहिर, संगीता डहरिया, अनीता बेलवंशी, शांति पाल ,मनोज वगद्रे, वर्षा पवार, मुश्ताक कादरी,सुनील भलावी, जय यादव, राजेश लोखंडे, डी डी देशमुख, प्रवीण पाल, एवं अन्य कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवास में फर्जी कॉल सेंटरों पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

13 कॉल सेंटरों पर दी गई दबिश

देवास। जिले में अन्तर्गत लगातार प्राप्त हो रही फर्जी कॉल सेंटरो के संचालन की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गेहलोद के द्वारा मिशन स्तर पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया । जिस पर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिहं भदौरिया के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक देवास श्री दीशेष अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन कर मुखबिर सूचना पर से फर्जी तरीके से चल रहे 13 कॉल सेंटर पर दबिश दी जाकर अनावेदकों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उनके कब्जे से मोबाईल फोन, कम्पयूटर/ लैपटॉप एवं संधारण रजिस्टर जप्त किये जाकर अनियमितताओं की जांच की जा रही है । इसी क्रम में

1.थाना सिविल लाईन अन्तर्गत छाबड़ा कॉम्पलेक्स के पीछे एक स्काय ब्रोकिंग ऑफिस में कुछ लोग फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर प्राप्त की गई सिमो से लोगो को फोन लगाकर अवैध तरीके से शेयर मार्केट मे ट्रेडिंग करने की टीप देकर लोगो को प्रलोभन मे लाकर अवैध तरीके से लाभ अर्जित कर रहे है । सूचना पर से तत्काल थाना प्रभारी सिविल लाईन श्री दीपक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर दबिश दी । उक्त स्थान स्काई ब्रोकिंग कंपनी के नाम से अवैध तरीके से एक ऑफीस मे कुछ लोग अपने मोबाईल फोन से लोगो को फोन लगाकर शेयर मार्केट मे इंवेस्ट के नाम पर बातचीत करना पाये गये । जिनसे पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपना नाम 1.दीपक पिता मदनलाल राठौर उम्र 22 साल नि. खजुरिया जांगीर देवास 2.बिट्टु पिता हुकुम सिंह मालवीय उम्र 20 साल नि. पिपल्या सड़क देवास होना बताया एवं उनके द्वारा उपयोग में लाई गई सिम उन्हे स्काई ब्रोकिंग कंपनी के ऑनर तिलकराज सिंह चौहान निवासी शिवपुरी के द्वारा उपलब्ध कराई गई है । स्काई ब्रोकिंग कम्पनी के दस्तावेज व अन्य सामग्री की जांच करने पर उनमें अनियमितता पाई गई। जिस पर से आरोपी 01.तिलकराज पिता सुरेन्द्र सिंह चौहान उम्र 24 साल निवासी कनासिया जिला उज्जैन हाल मुकाम विजयनगर इंदौर 02.अंकित शर्मा निवासी शिवपुरी देवास के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 132/2025 धारा 318(4), 338, 336(3) बीएनएस 66सी,66डी आईटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

02.फरियादी ने थाना औद्योगिक क्षेत्र में शिकायत दर्ज करवाई कि मुझे अज्ञात मोबाईल नम्बर 9179721538 से काल आया था और स्टाक मार्केट टिप्स देने के बारे में बताया की हमारी फर्म आपको ढाई लाख फिस देने के बदले में आठ लाख रुपये का प्राफिट कमा कर देगी । हम यह पैसा आगे जहाँ से कंन्फर्म टिप्स आती है वहाँ पर पहले कुछ जमा करवाना पड़ता है तभी आपकी प्रिमीयम टिप्स मिलेगी। मुझे कुल रू. 2,27,662 रुपये का लास करवा दिया है । जिस पर से थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र श्री शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में च्वाईश इन्वेस्टमेंट के नाम से चलाई जा रही एडवाइजरी फर्म पर दबिश दी जाकर अंकित योगी निवासी इंदौर को पुलिस अभिरक्षा में लेकर आरोपी के विरूद्ध थाना औद्योगिक क्षेत्र में अपराध क्रमांक 234/25 धारा 318(4) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

03.थाना बैंक नोट प्रेस अन्तर्गत मुखबिर सूचना प्राप्त हुई जिस पर से थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस श्री अमति सोलंकी के नेतृत्व में 28,मारूती नगर देवास में आर पी रिसर्च सेंटर फैक्ट्री नामक संस्थान में दबिश दी गई । जो कि अशोक पिता रमेश जलखेड़िया निवासी आदर्श नगर देवास एवं राकेश पंडित निवासी इंदौर के द्वारा संचालित है । उक्त संस्थान के दस्तावेज की जांच करने पर अनियमितता पाई गई एवं किसी भी प्रकार के लीगल दस्तावेज नही पाये गये । जिस पर से आरोपियो के विरूद्ध थाना बैंक नोट प्रेस में अपराध क्रमांक 195/2025 धारा 318(4),61(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

अयोध्या में सरयू तट किनारे चल रही श्रीराम कथा में राम जन्मोत्सव एवं श्री सीताराम विवाह प्रसंग

धार। अयोध्या सियाराम किला प्रवजन भवन में चल रही नौ दिवसीय श्री राम कथा में आज व्यास पीठ पर विराजित पंडित रमाकांत शुक्ला ने भगवान श्री राम जन्मोत्सव एवं भगवान श्री राम एवं सीता के विवाह के प्रसंग को बड़े विस्तार पूर्वक समझाया कथा दोपहर 1 बजे से आरंभ होकर शाम 7:30 बजे समाप्त हुई। आज की कथा में व्यास पीठ पर विराजित पंडित रमाकांत व्यास ने बताया कि अयोध्या में राजा दशरथ के घर में एक दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री राम का जन्म हुआ।

राम के जन्म के समय आकाश में देवताओं ने फूलों की वर्षा की और घंटियों की ध्वनि हुई।

राम के जन्म के बाद, राजा दशरथ ने अपने पुत्र को देखा और उनकी सुंदरता और शक्ति से प्रसन्न हुए।

इस प्रसंग में राम और सीता के प्रेम और विवाह की कहानी को विस्तार से बताया गया है, जो राम कथा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए एक स्वयंवर आयोजित किया। इस स्वयंवर में वशिष्ठ ऋषि राम एवं लक्ष्मण सहित सीता स्वयंवर में पहुंचे जिसमें गुरु वशिष्ठ की आज्ञा से भगवान राम ने मिथिला नरेश द्वारा आयोजित स्वयंवर में भगवान राम ने भाग लिया और उन्होंने शिव धनुष को तोड़ कर सीता को अपनी पत्नी के रूप में चुना। इस विवाह समारोह में अनेक देशों के बलशाली राजा सम्मिलित हुए थे किंतु उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगाई लेकिन शिव धनुष को अपने स्थान से हिला भी नहीं पाए जबकि अंत में मर्यादा

पुरुषोत्तम राम ने कब धनुष उठाया कब चाप खींची और कब धनुष तो डाल इसका आभास जब धनुष की आवाज हुई उस समय लोगों को आभास हुआ कि राजा राम ने धनुष तोड़ दिया। उसके पश्चात मिथिला नरेश ने राजा राम को विश्व का सबसे शक्तिशाली योद्धा घोषित किया।

राम ने सीता के सामने शिव के धनुष को तोड़कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन से प्रसन्न होकर, राजा जनक ने राम को सीता का हाथ थमाया।

राम और सीता का विवाह एक भव्य समारोह में हुआ, जिसमें देवता और ऋषि उपस्थित थे। आकाश से पुष्प वर्षा होने लगी और नगाड़े बजने लगे अप्सराएँ नृत्य दान करने लगी और कथा में उपस्थित जन समुदाय भी भाव विभोर होकर नृत्य दान करने लगे। भगवान शिव का धनुष तोड़ते ही परशुराम को क्रोध आया और वह सभा में उपस्थित होकर दहाड़ने लगे की ऐसा शूरवीर कौन है जिसने शिव धनुष को तोड़ने का साहस किया तब गुरु वशिष्ठ ने भगवान परशुराम को श्री राम और लक्ष्मण से मिलवाया और राम ने बहुत ही अनुनय विनय कर भगवान परशुराम से क्षमा चाहते हुए उनके चरणों की वंदना की भगवान परशुराम संतुष्ट हुए और वह वहां पर अपनी साधना हेतु पर्वत को चले गए ।

आज की कथा में कथा के मुख्य यजमान उड़ीसा से पधारे – घासीराम अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल परिवार एवं धार निवासी स्वयं प्रकाश सोनी एवं सरोज सोनी मुख्य यजमान स्वयं प्रकाश सोनी ने भगवान श्री राम की प्रतिमा एवं सरोज सोनी ने माता सीता की प्रतिमा को लाकर व्यास पीठ पर श्री सीताराम विवाह संपन्न करवाया। उपस्थित जन समुदाय भाव विभोर होकर नृत्य करने लगे एवं श्री राम सीता विवाह में पुष्प वर्षा कर करतल ध्वनि के साथ स्वागत करने लगे । कथा में धार शहर से पधारे करीब 25 श्रद्धालु ओमप्रकाश सोलंकी, विजया रानी सोलंकी, सुंदर उपाध्याय, माया शर्मा, सोनिया जोशी, पंडित अशोक कुमार जोशी, दिव्या महतो,एवं वर्मा परिवार तथा इस कथा में विभिन्न प्रांतो से पधारे हुए करीब 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान श्री सीता राम विवाह के साक्षी बने। जानकारी 18 महापुराण समिति प्रमुख अशोक मनोहर जोशी द्वारा दी गई।

कोयला खदान धंसने से तीन कर्मचारियों की मृत्यु

कोयला खदान में 3.5 किमी अंदर दबे कर्मचारी

बैतूल/सारणी। सारणी क्षेत्र के पाथाखेड़ा स्थित भूमिगत कोयला खदान छतरपुर-1 में आज एक बड़ा हादसा हो गया। यहां रूफ फॉल की घटना में कर्मचारी दब गये। सूचना मिलते ही वेकोलि प्रबंधक, यूनियन नेता सहित पुलिस मौके पर पहुंची और कर्मचारियों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू टीम ने कार्य शुरू कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार छतरपुर वन कोयला खदान की 10 मीटर की छत गिर गई। इसमें चार कर्मचारी दब गए। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई है। समाचार लिखे जाने तक खदान में दबे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। घटना वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड पाथाखेडा क्षेत्र में गुरुवार दोपहर 3 बजे की है। छतरपुर-1 खदान के मुहाने से करीब 3.5 किलोमीटर अंदर कंटीन्यूअस माइनर सेक्शन में कर्मचारी काम कर रहे थे। इसी दौरान 10 फीट लम्बी और 2.5 फीट चौड़ी रूफ के फॉल होने से हादसा हो गया। सूचना मिलते ही अस्पताल में यूनियन नेता और कर्मचारी जुट गए। दबे हुए कर्मियों में माइनिंग सरदार, ओवरमैन और सेक्शन इंचार्ज शामिल हैं। यह सेक्शन जॉय माइनिंग सर्विस का है। इसमें ऑस्ट्रेलियाई मशीन लगी है। कंपनी कोलकाता की है। सूचना मिलते ही माइन रेस्क्यू टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सूत्रों के मुताबिक रूफ फॉल की इस घटना में चार कर्मचारियों के दबने की खबर है, जिसमें से तीन कर्मचारियों की मौत होने की खबर है।

सारणी बगडोना छतरपुर खदान पहुंचे विधायक डॉ. पंडाग्रे, कलेक्टर और एसपी

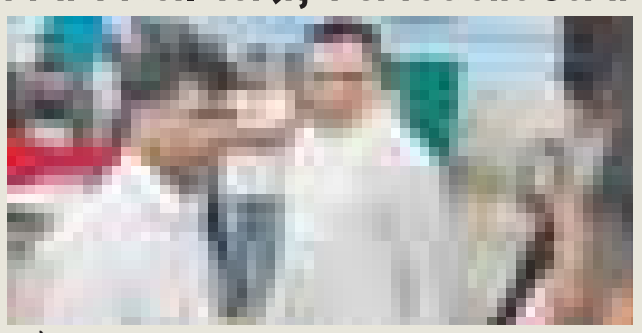

बैतूल। जिले की सारणी स्थित बगडोना-छतरपुर खदान में हुई घटना की जानकारी प्राप्त होने पर विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया घटनास्थल पर पहुंचे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देशानुसार त्वरित रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। जिसमें खदान कार्यरत लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला पाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खदान धसने की घटना में तीन लोग गोविंद कोसरिया पद असिस्टेंट मैनेजर उम्र-37 वर्ष, रामप्रसाद चौहान पद माइनिंग सरदार उम्र 46 वर्ष और रामदेव पंडोले पद ओवरमैन उम्र 49 वर्ष की मृत्यु हुई। एसपी झरिया ने बताया कि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। विधायक डॉ पंडाग्रे और कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जीएम वेस्टर्न कोल्ड लिमिटेड को लाइफ कवर स्कीम डेढ़ लाख की सहायता तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही एक्स ग्रेसिया, ग्रेच्युटी , कंपनसेशन और पीएफ, लाइफ इनकैशमेंट की राशि भी यथा शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिले के 126 परीक्षा केंद्रों पर संस्कृत विषय का प्रश्न पत्र आयोजित

बैतूल। हाई स्कूल कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा अंतर्गत गुरुवार को जिले के 126 परीक्षा केंद्रों पर संस्कृत विषय का प्रश्न पत्र आयोजित हुआ। आज 7 मार्च को हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा कक्षा 12वीं के वैकल्पिक विषयों भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन, शरीर रचना क्रिया विज्ञान एवं स्टिल लाइफ का प्रश्न पत्र जिले में 66 परीक्षा केंद्रों पर होगा। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल सिंह कुशवाह ने बताया कि कक्षा 10वीं में संस्कृत विषय के प्रश्न पत्र में कुल 18 हजार 711 परीक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होना था, जिसमें से 657 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे एवं 18054 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर नकल प्रकरणों को रोकने जिले में विभिन्न स्तरों पर बनाए गए उडन् दस्तों द्वारा परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। उडन् दस्तों द्वारा समाचार जारी किए जाने तक प्रश्न पत्र के दौरान 34 केंद्रों का निरीक्षण किया गया। विभिन्न केंद्रों पर नकल संबंधी कोई प्रकरण पंजीबद्ध नहीं किए गए। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा संबंधी मूल्यांकन का प्रथम चरण 13 मार्च से आरम्भ होना है। इस चरण में 01 मार्च तक संपन्न विषयों का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन से पूर्व 9 मार्च को प्रथम चरण के विषय शिक्षकों का प्रशिक्षण स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल में आहूत किया गया है।

सांसद विधायक बताएं की क्या वे प्रहलाद पटेल की बात से सहमत हैं? शहर कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस ने जलाया प्रहलाद पटेल का पुतला

देवास। भाजपा सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल ने नागरिकों के द्वारा विभिन्न समस्याओं के आवेदन दिए जाने को लेकर बयान दिया कि भिखारी जैसे चले आते हैं यह अच्छी बात नहीं है । उनके इस बयान से कांग्रेस पार्टी सहित प्रदेश के नागरिक जो समस्याओं से ग्रस्त है जो अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए मंत्री को आवेदन देते है वह सब आक्रोशित हैं । इसी को लेकर प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर गुरुवार को सैयाजी द्वारा पर शहर कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस के द्वारा शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी के नेतृत्व में मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला जलाया गया । इस अवसर पर श्री राजानी ने कहा कि एक जवाबदार पद पर लोगों से वोट मांग कर सत्ता में पहुंचे नेता का यह कहना कि

लोग हर जगह जहां भी जाओ एक फूल माला और आवेदन लेकर भिखारी की तरह आ जाते हैं प्रजातंत्र में इस तरह के बयान के कोई मायने नहीं है यह बयान अहंकार को दर्शाता है । श्री राजानी ने कहा कि मैं देवास सांसद विधायक से पूछना चाहता हूं कि क्या वे प्रहलाद पटेल के इस बयान से सहमत हैं। कांग्रेस ने मांग कि है कि प्रहलाद पटेल शीघ्र ही मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे। इस अवसर पर कांग्रेस नेता शौकत हुसैन भगवान सिंह चावड़ा सुधीर शर्मा रमेश व्यास नज़र शेख मंसूर शेख विक्रम पटेल संतोष मोदी विक्रम मुकाती ज्ञान सिंह दरबार जाकिर उल्ला शेख चंद्रपाल सिंह ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कल्याण सिंह पवार अनिल गोस्वामी प्रमोद सुमन इम्तियाज शेख़ भल्लू पंकज वर्मा श्रीकांत चव्हाण विश्वजीत सिंह चौहान दीपेश कानूनगो अनुपम टोप्पो श्याम पटेल राहुल पवार मुकेश पटेल नीरज नागर रितेश शर्मा अजय सिंह राजौंदा लुकमान अली हिम्मत सिंह चावड़ा दिग्विजय सिंह झाला कैलाश पटेल मदन लाल जेठवा प्रेम पटेल राकेश शर्मा सलीम पठान निलेश वर्मा राधा किशन रविन्द्र सोनी सोलंकी अक्षय बाली कालुसिंह दरबार महेंद्र धारू अनिल नागर रोहित शर्मा सतीश पुजारी छोटू सिंह गुर्जर प्रथम भोजक कुड्डूस शेख डॉ मुन्ना सरकार संतोष सिंह बेस पंकज धारू ओम राठौर राजेंद्र बेदी मुकेश झारेवाला गुल्लू मांगानी प्रतीक शर्मा मनोज नायक सुनील यादव संजय रेलवाल जयप्रकाश मालवीय अंकित जैन शोएब शेख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।

निर्माणाधीन गढ़ा और मेढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना का कमिश्नर श्री तिवारी ने किया निरीक्षण

कार्यस्थल पर मैन पावर बढ़ाकर पैरलल तरीके से यूनिट 1 और 2 के कार्य जून 2025 तक पूर्ण करने के दिए निर्देश

बैतूल। कमिश्नर के.जी तिवारी ने शुक्रवार को कलेक्टर बैतूल नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के साथ निर्माणाधीन गढ़ा मध्यम सिंचाई परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने बांध निर्माण की प्रस्तावित कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी ली। जिसमें कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग विपिन वामनकर ने जानकारी देते हुए बताया कि बांध की प्रशासकीय स्वीकृति वर्ष 2018 में प्राप्त हुई थी, जिसकी कुल लागत भू अर्जन सहित 307 करोड़ रूपये हैं। पम्प आधारित इस परियोजना से 8000 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई किया जाएगा। परियोजना में कुल 10 गेट है, जिनकी कुल ऊंचाई 23 मीटर हैं। बांध में अधिकतम 17 मीटर तक पानी भरा जा सकेगा। जिसकी अनुमानित क्षमता 400 एमसीएम है। समय समय पर पानी के डिस्चार्ज के लिए गर्वनिंग लेवल भी बनाया जाएगा। बांध की लेंथ 1600 मीटर है, कुल 274 मीटर पर निर्माण कार्य किया गया हैं।

बताया कि जून 2025 तक बांध का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा।

पेयजल के लिए 2 एमसीएम पानी जल निगम को दिया जाएगा। जिसके लिए पाइपलाइन बिछाई जाएगी। सिंचाई के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा 4 पंप लगाएं जाएंगे। जिसमें से 3 कार्यरत रहेंगे। एक पंप अन्य पंप खराब होने की स्थित में उपयोग किया जाएगा। कुल 414 किमी क्षेत्र में इरिगेशन नेटवर्किंग सिस्टम रहेगा। जिसमें 222 किमी में नेटवर्किंग कर दी गई हैं। कुल सिंचाई नेटवर्किंग दिसम्बर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्माण एजेंसी को बांध निर्माण और इरिगेशन नेटवर्किंग का कार्य 2025 में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संस्थान विभाग के अधिकारियों को भी निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए ताकि कार्य गुणवत्ता पूर्ण रूप से समय पर पूर्ण हो सके। इसके बाद कमिश्नर श्री तिवारी ने भैंसदेही में ताप्ती नदी पर प्रगतिरत मेढा सिंचाई परियोजना का निरीक्षण किया। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि परियोजना की क्षमता को 36 एमसीएम से बढ़ाकर 46 एमसीएम किया गया है।

3 लाख 60 हजार के सोने चांदी के जेवर, सिल्ली एवं 2 हजार नगदी जब्त

चोरी के मामले में मुख्य आरोपी, एक बाल अपचारी बालक और सुनार गिरफ्तार

बैतूल। पुलिस ने चोरी नकबजनी के मामले में मुख्य आरोपी, एक बाल अपचारी बालक व सोने चांदी को गलाने वाले आरोपी सुनार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 3 लाख 60 हजार के सोने चांदी के जेवर, सिल्ली, एवं 2 हजार नगदी बरामद किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार फरियादिया करुना देशमुख पति स्व. प्रकाश देशमुख उम्र 64 वर्ष निवासी शांतिनगर गौठाना बैतूल ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके सूने मकान में अज्ञात आरोपियों द्वारा 3 जनवरी के 1 बजे से 5 बजे के बीच रात में घर में घुसकर नगदी 6000 रुपये व सोने की अंगूठी एवं मोबाईल फोन चोरी कर ले गया है। पुलिस ने धारा 331(4),305, बीएनएस का मामला कायम कर विवेचना में लिया। वहीं दूसरी घटना 28 फरवरी को फरियादी मंगलमूर्ति पिता नाथूरामजी कनाठे उम्र 62 साल निवासी मोती वार्ड गौठी कालोनी वर्धमान अस्पताल के सामने की गली बैतूल ने थाना कोतवाली बैतूल ने दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया था कि उनके सूने मकान में अज्ञात आरोपियों के द्वारा 27 फरवरी की रात में घर में घुसकर सोना-चांदी के जेवर पुराने इस्तमाली व नगदी 13 हजार रुपये चोरी कर ले गये है ।

दोस्तों के साथ ढाबे पर खाते थे खाना, खरीदा महंगा मोबाइल- कोतवाली पुलिस टीम को मुखबिरो से सूचना प्राप्त हुई की एक लडका आदिल उर्फ अद्दू निवासी फांसी खदान गौठाना का जिसके पास कुछ भी नहीं रहता था, वह 4-5 दिनो से अपने दोस्तों के साथ होटलो, ढाबो में खाना खाने जा रहा है एवं उसके द्वारा महंगा मोबाईल एवं महंगी चैन खरीदी है। कोतवाली पुलिस टीम ने मुखबिर के बताये गये संदिग्ध लडका आदिल उर्फ अद्दू को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कीद्ध जिसके द्वारा बताया गया कि 27 फरवरी की रात में अपने दोस्तो के साथ मिलकर मोती वार्ड की गोठी कालोनी के सूने मकान में घुसकर सोने चांदी के जेवर व नकदी रुपये चोरी किये गये है।

जेवर को सोनार की दुकान में गलाकर बेचने दिया- सोने-चांदी के जेवर को सोनार की दुकान में गलाकर बेचने के लिए दे दिया था एवं नगदी को आपस में बांट लिये थे। संदिग्ध लडका आदिल उर्फ अद्दू से गहनता से पूछताछ की गई, जिसके द्वारा बताया गया कि अपने दोस्तो के साथ मिलकर 02 माह पूर्व शांतिनगर गौठाना के 1 सूने मकान में घूसकर जेवर, मोबाईल व नगदी चोरी किया गया था। आरोपी आदिल, विधि विरोधी बालक और सोना-चांदी के जेवर को गलाने वाले सुनार सलीम को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। वहीं एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस ने आरोपियों से बरामद किया सामान – पुलिस ने आरोपियों के पास से 26 ग्राम सोने की सिल्ली कीमती करीबन 3 लाख रूपये, 50 ग्राम चांदी की सिल्ली कीमती करीबन 10 हजार, एक सोने की अंगूठी कीमती करीब 10000 रुपये, एक चांदी की चैन कीमती करीबन 20 हजार रूपये, एक मोबाईल फोन कीमती करीबन 20 हजार रूपये नगदी 2000 रुपये कुल कीमत 3 लाख 62 हजार रुपये विधिवत जप्त किया गया है। उक्त कार्रवाही में थाना प्रभारी रविकांत डेहरिया, उनि पंचम सिंह उईके , सउनि सुरेश कुमार चौधरी, सउनि अरुण यादव, प्रधान आरक्षक अजय भलावी, आरक्षक नितिन चौहान, आरक्षक शिवकुमार, आरक्षक उज्जवल, आरक्षक सोनू सूर्यवंशी की सराहनीय भूमिका रही।

विचार

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

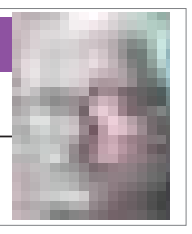

हमारे समय के सात अविवेक

पहला अविवेक यह कि इस धरती से दूर रची काल्पनिक जन्नतें और स्वर्गों के ख्वाब अभी भी कायम हैं। ज्यादातर लोग इस आश्वासन में आज भी जी रहे हैं कि एक दिन उन्हें इन जन्नतों और स्वर्गों में जाने का मौका ज़रूर मिलेगा। बिना किसी भेदभाव के सबको पालने-पोसने वाली यह धरती इन मतान्ध लोगों को नरक लगती है। ये मान बैठे हैं कि जीवन पतित है और उसे स्वर्ग में ले जाने का ठेका उनका है!

दूसरा अविवेक यह कि आज तक प्रजातांत्रिक कही जाने वाली राज्य व्यवस्थाएं मताधिकार पर आधारित टूटी-बिखरी राजनीतिक समता देकर आर्थिक और सामाजिक ग़ैरबराबरी दूर नहीं कर पायी हैं। वे भी तो कभी न आने वाले कल की जन्नत और स्वर्ग का सपना दिखाकर ग़रीबी दूर करने का ठेका लिए बैठी हैं! तीसरा अविवेक यह कि विभिन्न जातियों के समाजों में ऊँच-नीच की भावना से रचे गये कई नरक इसी धरती पर अभी भी बसे हुए हैं और इन जातियों के नेता इन नरकों से मुक्ति का मार्ग तलाशने की बजाय धर्म और मज़हब को राजनीति का पिछलगुआ बनाकर अपने-अपने स्वार्थ साधने का ठेका ले बैठे हैं!

चौथा अविवेक यह कि कामनाओं से भरे और उनका खूब विस्तार करते बाज़ार में अपना जीवन गँवाते लोग यह तय नहीं कर पा रहे कि वे स्वर्ग में हैं या इसी धरती पर उनके लिए कोई नया नरक रचा जा रहा है। चमकीले विज्ञापनों से यह भ्रम फैला हुआ है कि सबको स्वर्ग में बसाने की ठेकेदारी बाज़ार ने ले ली है!

पॉंचवां अविवेक यह कि लोग अपनी सहज मृत्यु को भूलकर जी रहे हैं। धरती पर बसाये जा रहे विकास नामक नरक में धँसती हुई सड़कें, दरकते हुए बांध, टूटते हुए पुल और बहुरूपी अराजकता आये दिन लोगों की जान लेते रहते हैं जिसे किसी मुआवजे की रकम से तौल दिया जाता है। प्रगति के नाम पर जीवन की दुर्गति की बोली लगाकर उसे ठेकेदारों के हवाले कर दिया गया है!

छटवॉं अविवेक यह कि इस धरती पर शान्ति और सह-अस्तित्व का नारा बुलंद करने वाली शक्तियों ने ही जीवन से उसके स्थानीय साधन छीन लेने की नीतियॉं बना ली हैं और जीवन को इसी धरती पर नरक में फॅंसाये रखने के लिए युद्ध, आतंक और भय फैलाने का ठेका ले रखा है!

सातवॉं अविवेक यह कि असहमत को अपना शत्रु मानकर मनमानी का बोलबाला है। व्यापक जीवन में संयम और उदारता के मूल्य का क्षय हो रहा है। कवि गजानन माधव मुक्तिबोध ने अपनी कविता में यह सवाल पूछा है ---- आदमी को आदमी से मलाल क्यों है? जिसने सच कह दिया उसका बुरा हाल क्यों है?

इस प्रश्न का उत्तर कौन देगा कि जीवन अमङ्गल की ख़बरों से क्यों भरता जा रहा है और दुनिया में शुभ समाचार का टोटा क्यों पड़ गया है?

लापरवाही के चलते तीन इंजीनियर निलंबित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल वृत्त के उप महाप्रबंधक भेरूंदा श्री राजेश अग्रवाल,ललरिया वितरण केंद्र के मैनेजर श्री सुशील वर्मा और लाड़कुई वितरण केन्द्र के जूनियर इंजीनियर श्री पंकज कटियार को लापरवाही और कार्य के प्रति सजग नहीं रहने के आरोप में कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह गुनगा के जूनियर इंजीनियर श्री नितेश पलारिया को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई भोपाल ग्रामीण वृत्त की समीक्षा बैठक के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने की।

प्रबंध संचालक श्री सिंघल ने समीक्षा बैठक के दौरान स्पष्ट संदेश दिया की बिलिंग एफिशिएंसी (दक्षता) तथा कलेक्शन एफिशिएंसी में कमी को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खराब तथा जले मीटर बदलें और उपभोक्ताओं को दी जा रही बिजली की प्रत्येक यूनिट बिक्रित यूनिट में परिवर्तित होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने किसानों को 5 रूपये में दिए जा रहे स्थाई पंप कनेक्शन के बारे में कहा कि इसके अंतर्गत अधिक से अधिक कृषकों को कनेक्शन प्रदान करें और जहां नियमित कनेक्शन देने की कार्रवाई में अड़चन आ रही है, वहां अस्थायी कनेक्शनन अवश्य प्रदान करें।

प्रबंध संचालक श्री सिंघल ने मार्च माह का टारगेट देते हुए कहा कि मार्च माह में ग्रामीण वितरण केन्द्रों में कम से कम कुल उपभोक्ताओं की तुलना में 15 प्रतिशत नए कनेक्शन देकर नए उपभोक्ताओं को विद्युत प्रणाली से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा की सकल तकनीकी एवं वाणिज्यक हानियों को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए मीटरिंग, बिलिंग और कलेक्शन को बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के बाद अप्रैल माह में भोपाल ग्रामीण वृत्त में कार्यरत बिजली कार्मिकों की परफॉर्मेंस की समीक्षा कर उन्हें भविष्य में पदस्थापनाएं दी जाएंगी। इसलिए जो बेहतर कार्य करने वाले कार्मिक होंगे उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा वहीं नॉन परफॉर्मर कार्मिकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पेंशनर्स की बैठक में सेवानिवृत्त साथियों का शाल-श्रीफल से किया सम्मान

बैतूल। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन बैतूल द्वारा 5 मार्च को सेवा निवृत्त शासकीय सेवकों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पेंशनर्स साथियों को शाल, श्रीफल और अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। रघुवर प्रसाद सोनी, शिवरतन कुमरे, काशीनाथ वाघमारे, मकसूद रज़ा कुरैशी और कैलाश नामदेव का विशेष रूप से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अनिल पंवार, सेवा निवृत्त शिक्षक दमुआ और शिक्षक संघ के अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि सहकारी बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कमल पंवार विशिष्ट अतिथि थे। दोनों का शाल-श्रीफल से भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष रामचरण साहू ने अत्यंत भावपूर्ण उद्बोधन दिया। वे अस्वस्थ होने के बावजूद बैठक में उपस्थित हुए और पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रति अपनी अंतिम सांस तक समर्पित रहने का संकल्प दोहराया। उनका संबोधन सुनकर सभी पेंशनर्स भावुक हो गए और आंखों में प्रेम अश्रु छलक आए। सभी ने एक साथ खड़े होकर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की। वरिष्ठ पेंशनर सुन्दर लाल कड़वे ने उनके अब तक के सराहनीय कार्यकाल का स्मरण करते हुए उनके सुख-दुख में साथ रहने और उनके शीघ्र स्वस्थ जीवन की मंगल कामना की। बैठक में प्रांतीय संयुक्त संघर्ष मोर्चा की खबरें साझा की गईं, जिससे पेंशनर्स में एक नई ऊर्जा और आशा का संचार हुआ।

नवीन कॉलेज का 3 दिवसीय वार्षिक उत्सव का रंगारंग समापन

विद्यार्थियों को छात्र जीवन में अनुशासन एवं समय को बहुत अधिक महत्व देना चाहिए : गुप्ता

समूह नृत्य, रंगोली, मेहंदी, गायन तथा एकल नृत्य जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन

भोपाल। शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय, भोपाल में आज तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव का समापन हुआ। महाविद्यालय में तीन दिन तक चले कार्यक्रम के प्रथम दिवस में समूह नृत्य, रंगोली, मेहंदी, गायन तथा एकल नृत्य जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में भूमि गोस्वामी, चंचल राजपूत तथा रितेश धाकड़ रंगोली प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे. मेहंदी प्रतियोगिता में पलक नगर प्रथम, प्रीति यादव द्वितीय तथा गीतांजलि तृतीय स्थान पर रही। गायन प्रतियोगिता में आयुषी ,भूमि गोस्वामी तथा देवेंद्र सिंह राजपूत ने प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में दिशा सिंह प्रथम, नंदिनी द्वितीय तथा आयुषी कुमारी तृतीय स्थान पर थी।

वार्षिक उत्सव के दूसरे दिवस क्रीड़ा अधिकारी श्री सोमेश राठौर के नेतृत्व में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता की. 100 मीटर रेस में बालक वर्ग में निशांत यादव तथा बालिका वर्ग में अर्शीना रायन विजेता रही। नींबू चम्मच दौड़ में पलक परमार प्रथम स्थान पर आई।लंगडी दौड़ में रोशन कुशराम तथा आशीष चढ़ार विजेता रहे। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में रिंकी चतुर्वेदी तथा जितेंद्र साहू बालिका एवं बालक वर्ग में प्रथम आए।

कार्यक्रम का कार्यक्रम के समापन दिवस पर पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर राजेंद्र गुप्ता (अध्यक्ष, जनभागीदारी) द्वारा मां सरस्वती की पूजन अर्चना के साथ किया गया। सरस्वती वंदना के पश्चात मध्य प्रदेश गान किया गया। प्राचार्य डॉ. प्रदीप शर्मा द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ने के पश्चात पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले दिनों हुई प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों के साथ ही अकादमी स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय रहे छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया। एन.सी.सी एन.एस.एस तथा खेल विभाग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण के पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र गुप्ता जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय के छात्र बहुत कम संसाधनों में बेहतर और बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, यह बहुत प्रशंसनीय है । एन.सी.सी, एन.एस.एस. के उत्कृष्ट प्रदर्शन यह बता रहे हैं कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं है।उन्होंने प्राचार्य डॉ प्रदीप शर्मा की उनके कुशल नेतृत्व हेतु प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन छात्र जीवन में अनुशासन एवं समय को बहुत अधिक महत्व देना चाहिए क्योंकि समय लौटकर नहीं आ सकता। माननीय अध्यक्ष महोदय ने महाविद्यालय के पुराने भवन के स्थान पर नवीन भवन बनवाने के आश्वासन के साथ ही संपूर्ण मरम्मत कार्य शीघ्र करवाने की बात भी कही। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर महेश्वरी निरंजन तथा डॉ.सुरेखा उमड़े द्वारा किया गया. श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, मेहरीन खान तथा सुश्री योगिता सोनी ने मंच सज्जा का कार्य संपन्न किया। श्रीमती हर्षलता सोनी के द्वारा कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ.कलावती कोरी,डॉ. शोभना जैन तथा लेफ्टिनेंट आराधना धुर्वे सहित समस्त स्टाफ उपस्थित था।

ग्वालियर की लाल टिपारा गौशाला में लगी भीषण आग

वैदिक डेस्टिनेशन जलकर राख, 1000 से ज्यादा गोवंशों को सुरक्षित निकाला

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर शहर से 15 किलोमीटर दूर लाल टिपारा गौशाला में गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे भीषण आग लग गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के समय पास के एक बाड़े में करीब एक हजार से अधिक गौवंश मौजूद थे। यह आग गौशाला परिसर में स्थित वैदिक डेस्टिनेशन क्षेत्र में लगी थी, जहां घास के सोफे, झोपड़ियां आदि जलकर पूरी तरह राख हो गए।

गौशाला में आग लगने की सूचना वहां काम करने वाले कर्मचारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और चार गाड़ियों से पानी की बौछार कर आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि आग से किसी भी गोवंश को कोई नुकसान नहीं हुआ।

कर्मचारियों की सतर्कता से गोवंश को सुरक्षित शिफ्ट किया गया- जानकारी के अनुसार, लाल टिपारा गौशाला के सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल पर बने टपरे में आग लगी थी। हालांकि, अब तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग लगते ही उसने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने समय रहते गोवंश को सुरक्षित निकालकर दूसरे बाड़े में शिफ्ट कर दिया।

आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जहां दो गाड़ियों से पानी की बौछार कर आग पर काबू पा लिया गया। समय पर फायर ब्रिगेड के पहुंचने से प्रदेश की पहली और एकमात्र आदर्श गौशाला में बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल, आग लगने का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

वैदिक डेस्टिनेशन क्षेत्र में लगी थी आग- लाल टिपारा गौशाला के प्रबंधक महंत ऋषभदेव का कहना है कि, होली का त्योहार नजदीक है, इसलिए गौशाला में गौमैट गुलाल बनाने को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे आग लग गई। गौशाला में फैशनेबल बैठने की विशेष व्यवस्था बनाई गई थी, जो पूरी तरह जलकर राख हो गई। हालांकि, आग में किसी भी गौवंश को कोई नुकसान नहीं हुआ।

आग बुझाने पहुंचे दमकल कर्मी ने बताया कि, कंट्रोल रूम को लाल टिपारा गौशाला में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही एक दमकल गाड़ी और अन्य कर्मियों के साथ वह मौके पर पहुंचे। लेकिन आग अधिक फैल चुकी थी, इसलिए तुरंत पानी का छिड़काव शुरू किया गया। इस आग को बुझाने में कुल चार दमकल गाड़ियों का पानी इस्तेमाल करना पड़ा। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन संभावना है कि यह बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो।

नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को

बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में करायें समझौता : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल। आगामी शनिवार 8 मार्च 2025 को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को आपसी समझौतो से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे कानूनी काईवाई से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के लिये निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 हॉर्स पॉवर भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी।

प्रि-लिटिगेशन स्तर पर

कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत?येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर

कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

लोक अदालत में छूट नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी

आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन/संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई वैध कनेक्शन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने के लिये आवेदक द्वारा वैध कनेक्शन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित कनेक्शनों के विरूद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत/अदालतों में छूट प्राप्त किये उपभोक्ता/उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य बिजली बिलों में जुड़ी बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जाएगी। नेशनल लोक अदालत में दी जा रही छूट आंकलित सिविल दायित?व राशि 10 लाख रूपये तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल ''लोक अदालत'' 8 मार्च 2025 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

संचालक अपहरण मामले में मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान, पुलिस कमिश्नर से मांगा प्रतिवेदन

भोपाल, नप्र । मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के '05 मामलों में' संज्ञान लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है।

भोपाल जिले के अशोका गार्डन इलाके में विगत दिवस एक कॉलेज संचालक को टवेरा सवार युवकों ने एक्सीडेंट को लेकर हुये विवाद के बाद अगवा कर उसके साथ मारपीट की। पीड़ित द्वारा मामले की शिकायत संबंधित पुलिस थाने में की, लेकिन घटना के तीन दिन बाद भी पुलिस द्वारा अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विगत दिवस टवेरा सवार युवकों ने कॉलेज संचालक को अगवा कर उसके साथ मारपीट की, जिसकी पीडित ने संबंधित पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने अब तक ना तो एफआईआर दर्ज की और ना ही कोई कार्यवाही की है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस कमिश्नर, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिनों में मांगा है।

वही दूसरे मामले में भोपाल शहर के निशातपुरा इलाके में एक 30 वर्षीय विवाहित महिला के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक द्वारा छेड़छाड़ और ज्यादती करने का मामला सामने अया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आरोपी युवक ने पीडित महिला का पहले पीछा किया और विरोध करने पर उसके पति को जान से मारने की धमकी दी। उसके बाद आरोपी युवक ने महिला के साथ होटल में जाकर उसके साथ जबरन ज्?यादती की और पीडित महिला द्वारा आपत्ति जताने पर उसे समाज में बदनाम करने और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी की धमकी और प्रताड़ना से तंग आकर पीडित महिला ने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस कमिश्नर, भोपाल से मामले की जांच कराकर आरोपी के विरूद्ध की गई कार्यवाही तथा पीडित/परिवार की सुरक्षा एवं सुरक्षित रूप से घर में निवास कर सकने के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

इधर मंडला जिले में एक दिव्यांग महिला को सरकारी विभागों की लापरवाही एवं ढीले रवैये के कारण उसके अधिकारों से वंचित रहने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दिव्यांग महिला को उसके विकलांगता प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिये दो महीनों से सरकारी दफ्तारों के चक्कर काटना पड़ रहा है। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के कारण अब तक दिव्यांग महिला का प्रमाण पत्र नवीनीकृत नहीं किया गया है। इस कारण दिव?यांग महिला को अपने अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं सीएमएचओ, मंडला से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

अशोक नगर के शाहाबाद में दबंग भू-माफिया द्वारा शाला उद्यान, शासकीय रास्ते की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किये जाने का मामला सामने आया है। शासकीय रास्ते की जमीन पर कब्जा होने से आने-जाने वाले लोगों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों ने कलेक्टर को आवेदन देकर दबंग भू-माफिया के खिलाफ शिकायत भी की है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने कलेटर अशोकनगर से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

उधर मुरैना जिले के सिटी कोतवाली के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नंबर दो गणेशपुरा पर आवारा तत्वों के कारण विद्यालय में परिक्षा देने आए छात्र-छात्राओं को आधा घंटे देरी से छोड़े जाने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विगत बुधवार को कक्षा 5वीं एवं 8वीं का पेपर था, जब पेपर छूटने का समय आया तो वहां पर आवारा तत्व बड़ी संख्या में खड़े हो गये। विद्यालय के पास इतनी संख्या में आवारा तत्वों को देखकर शिक्षकों ने किसी अनहोनी की आशंका को देखते हुये तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम एवं 100 डॉयल को फोन किया और पुलिस की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं को छोड़ा गया। छात्रों-छात्राअें के घर समय पर नहीं पहुंचे के कारण उनके अभिभावक चिंतित हो गये और वह स्वंय परीक्षा केंद्र पर पहुंच गये। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने पुलिस अधीक्षक, मुरैना से मामले की जांच कराकर बच्चों एवं अन्य की सुरक्षा सुनिश्चित कराये जाने हेतु की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिनों में मांगा है।

52

कनिपकम वरसिद्धिविनायक मंदिर

कनिपकम वरसिद्धिविनायक मंदिर जिसे विनायक मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भारत के आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के कनिपकम में भगवान गणेश को समर्पित एक हिंदू मंदिर है। 'कनी' का अर्थ है आर्द्रभूमि, और 'पकम' का अर्थ है आर्द्रभूमि में पानी का प्रवाह। यह मंदिर भारत के आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है। यह स्थान चित्तूर से ठीक 11 किलोमीटर और तिरुपति बालाजी से 68 किलोमीटर दूर है। मंदिर के मुख्य देवता, श्री वरसिद्धिविनायक स्वामी, स्वयंभू या स्वयं प्रकट मूर्ति हैं। इस मंदिर के बारे में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि श्री विनायक मूर्ति का आकार दिन-प्रतिदिन धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में चोल राजा कुलोथुंगा चोल प्रथम ने करवाया था और 1336 में विजय नगर राजाओं ने इसका विस्तार किया था। गणेश 'स्वयंभू' विनायक की मूर्ति 'कल्याणी' के अंदर है, वह झील जहाँ मूर्ति मूल रूप से खोजी गई थी। ऐसा माना जाता है कि मंदिर की मुख्य मूर्ति भगवान विनायक स्वयं प्रकट होते हैं, यही वजह है कि इसे स्वयंभू श्री वरसिद्धिविनायक स्वामी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए राजस्थान सरकार के साथ मिलकर करेंगे काम: मुख्यमंत्री

श्रीकृष्ण गमन स्थलों को चिन्हित किया जाएगा, श्रीकृष्ण के गुजरात गमन पथ के लिए गुजरात सरकार से भी लेंगे सहयोग

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण पाथेय के संदर्भ में मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार एकमत है। हम राजस्थान सरकार के साथ मिलकर श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे। भगवान श्रीकृष्ण के गुजरात गमन पथ के विकास के लिए हम गुजरात सरकार से सहयोग लेकर इस दिशा में काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का ईश्वरीय स्वरूप तो स्तुत्य है ही, हमारी सरकार उनके दूसरे महत्वपूर्ण पक्षों को भी समाज के समक्ष प्रकाश में लाएगी। इसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करना, सुदामा से मित्रता निभाना, वनवासी से प्रेम और गुरू-शिष्य परम्परा की मिसाल कायम करने जैसे प्रसंग शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को (समत्व भवन) मुख्यमंत्री निवास में श्रीकृष्ण पाथेय के संबंध में विषय विशेषज्ञ समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए सभी समितियों को सक्रिय किया जाए। पुरातत्वविदों, धर्माचार्यों एवं भगवान श्रीकृष्ण साहित्य के अच्छे लेखकों को भी इस समिति में जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण पाथेय के विकास के लिए भोपाल में

आयोजित इस बैठक के अलावा उज्जैन और राजस्थान के जयपुर या भरतपुर या ब्रज या चौरासी कोस या अन्य किसी विशिष्ट स्थल पर समिति बैठकें की जाएं। इससे दोनों राज्यों में श्रीकृष्ण पाथेय के लिए सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुरा इतिहास में भगवान श्रीकृष्ण का भारत देश (जम्बूद्वीप) के कई क्षेत्रों में आवागमन का उल्लेख मिलता है। समिति भगवान श्रीकृष्ण के उन सभी गमन स्थलों को चिन्हित कर इनका अभिलेखीकरण करें। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम को श्रीकृष्ण पाथेय के विकास एवं विस्तार के लिए केन्द्र बिन्दु बनाया जा सकता है। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा लोक कल्याण के लक्ष्य पूर्ति के लिए यद्यपि मथुरा, उज्जैन, द्वारिका, ब्रज मंडल, मेवात, हाड़ौत, मालवा, निमाड़, गुजरात, राजस्थान, विदर्भ, महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों की यात्राएं की गई, तथापि उनकी यात्रा का प्रमुख केन्द्र उज्जैन ही रहा था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक त्यौहारों में सरकार की सहभागिता बढ़ी है। हमने दशहरे में शस्त्र पूजा, दीपावली पर गोवर्धन पूजा और हाल ही में गीता जयंती भी मनाई है। प्रदेश के 17 पवित्र/धार्मिक शहरों में हमने शराबबंदी लागू करने का निर्णय ले लिया है। इससे समाज में एक अच्छे संदेश का संचार हुआ है। बैठक में समिति के सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार श्रीकृष्ण पाथेय के लिए फोकस्ड होकर काम करेगी। भविष्य में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी अन्य लीलाओं को भी हम इस कार्य से जोड़ेंगे।

बैठक में समिति के वरिष्ठ सदस्य राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त श्री ओंकार सिंह लखावत, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी, उज्जैन के डॉ. शैलेन्द्र शर्मा, डॉ. रमन सोलंकी सहित अन्य सभी सदस्यगण, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव श्री संजय शुक्ला, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर और कलेक्टर उज्जैन ने भी बैठक में वर्चुअली सहभागिता की।

बहू से गिफ्ट लेकर शिवराज हुए भावुक

बड़े बेटे की शादी में पत्नी के साथ किया डांस

जोधपुर (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय के साथ लिबर्टी शू कंपनी के डायरेक्टर अनुपम बंसल की बेटी अमानत उम्मेद भवन पैलेस में सात फेरे लिए।

तीन दिन से चल रहे इस जलसे में कई वीवीआईपी मेहमान भी शामिल हुए। जिसमें मप्र और राजस्थान भाजपा के कई बड़े नेता शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को मेहंदी और संगीत सेरेमनी हुई। इस दौरान शिवराज ने बेटे-बहू को नया जीवन शुरू करने से पहले

सीख देते हुए कहा कि आप अर्थपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण जीवन जिएं। जीना उसका जीना है, जो औरों के लिए जिएं। बुधवार को शिवराज का जन्मदिन भी था, संगीत सेरेमनी में कार्तिकेय-अमानत ने उन्हें रामचरित मानस गिफ्ट में दी तो वे भावुक हो गए। कार्तिकेय-अमानत ने शिवराज को जन्मदिन पर रामचरित मानस गिफ्ट की। इसके बाद शिवराज ने कहा कि दोनों ने मुझे भावुक कर दिया।

संगीत कार्यक्रम में शिवराज पत्नी साधना सिंह के साथ चांद सा रोशन चेहरा गाने पर थिरकते दिखे, तो साधना सिंह ने अपनी दोनों बहुओं के साथ मेरे घर आई एक नन्ही परी..गाने पर डांस किया। दूल्हा-दुल्हन ने भी कपल डांस किया।

शिवराज के साथ डांस करने से पहले साधना सिंह ने कहा- मैंने सिर्फ एक घंटे में डांस तैयार किया है। इनको टाइम मिलता नहीं है। आज इनका जन्मदिन है और बेटे का संगीत है तो डांस तो करना है। फिर जब दोनों डांस करने लगे तो शिवराज ने कहा कि मैं पूछ रहा हूं कि मुझे क्या करना है। इस पर सब खिलखिलाकर हंसने लगे।

उज्जैन में 1.21 करोड़ के नोटों से महादेव का श्रृंगार

हर साल बढ़ती नोटों की संख्या 4 साल पहले शुरू हुई परंपरा

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन से करीब 52 किमी दूर बड़नगर के प्रसिद्ध परिसर में लगने वाले महाशिवरात्रि मेले के दौरान हर साल मंदिर को सजाया जाता था। इस बार मंदिर को 1 करोड़ 21 लाख रुपए के नोटों से सजाया गया। नोटों की माला, मुकुट और लड़ी बनाकर मंदिर का भव्य श्रृंगार किया गया।

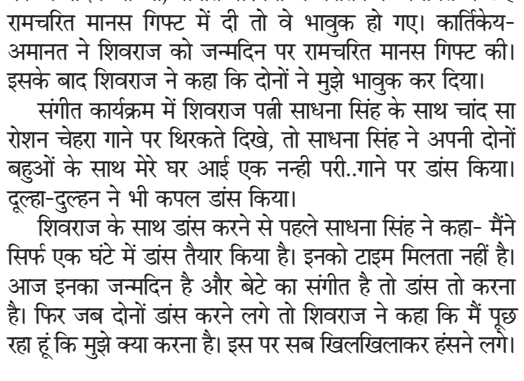

पिछले साल मंदिर को 51 लाख रुपए से सजाया गया था, लेकिन इस बार भक्तों के उत्साह को देखकर जब चंदा एकत्रित किया गया, तो यह राशि करोड़ों तक पहुंच गई।

महाशिवरात्रि पर भगवान शिव का विशेष श्रृंगार- श्री बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में हर साल महाशिवरात्रि के बाद मेला आयोजित किया जाता है। इस बार भी 28 फरवरी से 10 मार्च तक मेला चलेगा। इस दौरान 3 मार्च से 5 मार्च तक भगवान शिव को 1 करोड़ 21 लाख रुपए के नोटों से विशेष श्रृंगार किया गया।

मंदिर के पुजारी महेश पुजारी ने बताया कि महाशिवरात्रि मेले के दौरान बीते चार सालों से मंदिर का श्रृंगार नोटों से किया जा रहा है। 2021 में 7 लाख, 2022 में 11 लाख, 2023 में 21 लाख और 2024 में 51 लाख रुपए से भगवान महादेव का श्रृंगार किया गया था। इससे पहले हर साल मंदिर को फूलों से सजाया जाता था।

चार साल पहले श्री बुद्धेश्वर महादेव मित्र मंडली समिति के सदस्यों ने कहा कि फूल मुरझा जाते हैं, इसलिए नोटों से श्रृंगार किया जाए। इसके बाद से यह परंपरा शुरू हो गई। इस वर्ष मित्र मंडली समिति के 22 से अधिक सदस्यों ने ही करोड़ों रुपए के नोट श्रृंगार के लिए दान कर दिए।

भोपाल में वॉक फॉर हेल्थ वॉक फॉर अवेयरनेस का आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन कार्यक्रम, 9 मार्च को 'पीसीओएस' पर प्रदेश की पहली कॉन्फ्रेंस

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 8 मार्च यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए वॉक फॉर हेल्थ, वॉक फॉर अवेयरनेस थीम पर विशेष वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही 9 मार्च को 'पीसीओएस' विषय पर प्रदेश की पहली राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है।

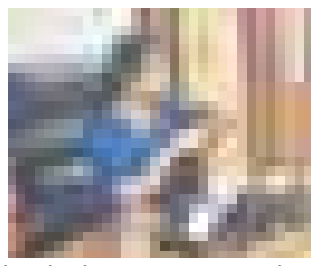

स्टेट नोडल डॉ. रचना दुबे ने बताया कि वॉकथॉन का आयोजन 8 मार्च को सुबह 7 बजे भोपाल के अटल पथ से किया जायेगा। रैली में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन भी करा सकते है। वहीं 9 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में प्रदेश की पहली पीसीओएस आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जहां पर प्रदेश के चिकित्सक पीसीओएस से बचाव, उपचार के नए तकनीक एवं अनुसंधान को साझा करेंगे।

प्रदेश में पहली बार होगी पीसीओएस आधारित कॉन्फ्रेंस- डॉ. रचना दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं को गायनोकोलॉजी, इनफर्टिलिटी और कैंसर निवारण से संबंधित जानकारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने एवं प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' पर कार्यक्रम का आयोजन किया है।

वहीं 9 मार्च को होने वाले कांफ्रेंस में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ मुख्यतः स्त्री रोग विशेषज्ञ, मधुमेह विशेषज्ञ, स्किन स्पेशलिस्ट, फिटनेस एक्सपर्ट, न्यूट्रिशनिस्ट, मनोरोग विशेषज्ञ, एक मंच पर एकत्रित होंगे। यह प्रदेश में पहली बार पीसीओएस आधारित कॉन्फ्रेंस होगी।

मानसरोवर कॉम्पलेक्स में आग

फायर सिस्टम से काबू पाया, बड़ा हादसा टला, करोंद में 8 फर्नीचर दुकानें जली

भोपाल (नप्र)। भोपाल के होशंगाबाद रोड स्थित मान सरोवर कॉम्पलेक्स के एक बंद इंटीरियर डिजाइन के ऑफिस में गुरुवार सुबह आग लग गई। दुकान के अंदर धुआं उठते देख आसपास के दुकानदार पहुंचे और फायर सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया। इधर, देर रात करोंद इलाके में फर्नीचर की 8 दुकानों में भीषण आग लगी। जिससे लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर राख हो गया। 3 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से कुछ दूर ही मानसरोवर कॉम्पलेक्स है। यही पर आग लगी। मानसरोवर कॉम्पलेक्स व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल चुग ने बताया, अलार्म बजते ही दुकानदार भागे और फायर सिस्टम से आग को काबू में किया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां भी पहुंची।

इलाके में हड़कंप मचा- कॉम्पलेक्स में आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पहले भी यहां आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं और खासा नुकसान हुआ था। ऐसे में आग को बुझाने के लिए आसपास के

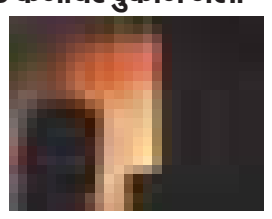

दुकानदार दौड़ पड़े। इससे फैलने से पहले ही आग काबू में आ गई।

सड़क किनारे फर्नीचर दुकानों में भीषण आग, आधी बचा ली- बुधवार-गुरुवार रात करीब 2 बजे करोंद स्थित नबी बाग इलाके में सड़क किनारे की फर्नीचर दुकानों में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि एक के बाद एक 8 दुकानों को आग ने चपेट में ले लिया। यहां पर करीब 17 दुकानें थी। ऐसे में आधी दुकानें बचा ली गई।

असीरगढ़ किले के पास सोने के सिक्के तलाशने के लिए ग्रामीणों ने खोद डाले कई एकड़ के खेत

बुरहानपुर (नप्र)। जमीन में दबे मुगलकालीन सोने-चांदी के सिक्कों का भंडार तलाशने के लिए इन दिनों असीरगढ़ किले के आसपास सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण खोदाई कर रहे हैं। इनकी संख्या पांच सौ से ज्यादा बताई जा रही है। सांझ ढलते ही ग्रामीण टार्च, फावड़ा, कुदाली, मिट्टी छानने का छन्ना और भोजन-पानी लेकर पहुंच जाते हैं। इसके बाद रात दो से तीन बजे तक सोने की तलाश का काम जारी रहता है। इनमें पुरुषों के साथ महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल होते हैं।

मुगलकालीन सिक्के मिलने का दावा- टार्चों की रोशनी के कारण असीरगढ़ किले के आसपास के खेतों में रात के समय दूर से कोई बस्ती होने का आभास होता है। ग्रामीणों की मानें तो कई लोगों को मुगलकालीन सोने के सिक्के मिले हैं, लेकिन कोई खुल कर नहीं बोल रहा है। बताया जाता है कि कुछ लोग स्वर्ण भंडार तलाशने के लिए मेटल डिटेक्टर का उपयोग तक कर रहे हैं। दिन के उजाले में खेतों में दूर-दूर तक हजारों की संख्या में केवल गड्ढे ही नजर आते हैं। हालांकि इस संबंध में अब तक पुलिस और प्रशासन की कोई कार्रवाई सामने नहीं आई है।

तीन माह पूर्व हुई थी खुदाई की शुरुआत- असीरगढ़ किले के पास सिक्कों

टीचर को कॉल कर बताया खौफनाक अपराध

मम्मी-पापा को मार दिया, पुलिस बुला लो - बेटे ने कॉल पर कबूला जुर्म

बालाघाट (नप्र)। हैलो सर, मैं सत्यम कटरे बोल रहा हूं। कटरे मैडम का लड़का। मैंने मम्मी-पापा को मार डाला। आप पुलिस को कॉल कर दीजिए। यह बात बालाघाट में माता-पिता पर सब्बल से हमला करने वाले इकलौते बेटे ने टीचर संजय डहाटे से कही थी। हमले के बाद 20 साल के सत्यम ने पहला कॉल संजय को ही किया। संजय प्राइमरी स्कूल में टीचर हैं। वे आरोपी सत्यम के माता-पिता प्रतिभा और किशोर कटरे के दोस्त हैं। संजय हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में उनके घर से करीब एक किलोमीटर दूर रहते हैं। संजय ने बताया कि मैं 4 मार्च को सो रहा था। रात करीब 11:10 बजे प्रतिभा कटरे के नंबर से कॉल आया था। कॉल पर प्रतिभा का बेटा सत्यम था। उसने कहा कि माता-पिता को मार दिया है, पुलिस को बता दो। मैंने कहा कि तुम झूठ बोल रहे हो। इसके बाद उसने कॉल काट दिया। प्रतिभा कटरे की महाराष्ट्र के गोंदिया में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई। किशोर जानकी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती हैं। यहां उनकी हालत स्थिर है। परिजनों ने बताया कि सत्यम पढ़ने में होनहार है, वह डॉक्टर बनना चाहता था।

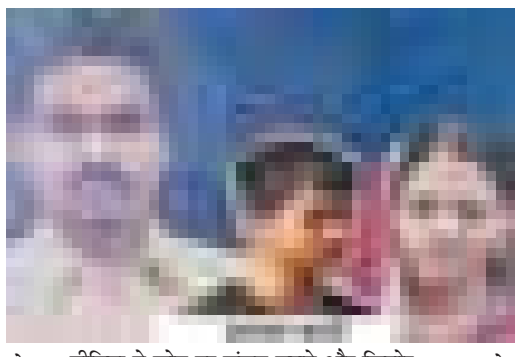

मीडिया ने फोन पर संजय डहाटे और किशोर के बड़े भाई अरविंद कटरे से बात की।

खून से लथपथ माता-पिता के पास खड़ा था- संजय ने बताया, विश्वास ही नहीं हुआ। प्रतिभा मैडम के नंबर से कॉल था, इस कारण परिचित जयकिशोर कटरे और नंदलाल तामेश्वर को उनके घर भेजा। थोड़ी देर में मैं भी पहुंचा। वहां देखा, तो हम घबरा गए। खून से सना सब्बल पड़ा था। बेड पर प्रतिभा और किशोर नीचे लहूलुहान पड़े थे। कमरे में खून ही खून था। पास ही उनका बेटा सत्यम खड़ा था। इसके बाद पुलिस और किशोर के भाई अरविंद कटरे को कॉल किया।

बड़े भाई बोले- ऐसा लग रहा कि सपना है- किशोर कटरे वारासिवनी में सिकंदरा पंचायत के कॉलेज टोला में रहते थे। पांच साल पहले ही नया मकान बनाया है। बड़े भाई अरविंद कटरे भी करीब डेढ़ किलोमीटर दूर परिवार के साथ रहते हैं। अरविंद बताते हैं, 'हम तीन भाई हैं। मैं सबसे बड़ा, मंझला राजेन्द्र कटरे और सबसे छोटा किशोर कटरे। तीनों सरकारी शिक्षक हैं।

अरविंद ने बताया, किशोर जरामोह गांव के पीएम श्री हायर सेकंडरी स्कूल में विज्ञान के शिक्षक थे। उसकी पत्नी प्रतिभा नहरटोला सावंगी के प्राइमरी स्कूल में पदस्थ थी। मायके में भाई भी शिक्षक हैं। हमारे पिता जीएल कटरे भी अंग्रेजी के शिक्षक थे। उनके पढ़ाए हुए बच्चे आज बड़े पदों पर हैं। पूरा परिवार शिक्षा विभाग से जुड़ा है।

एजुकेटेड फैमिली है। समझ नहीं पा रहे कि क्या हो गया। यह अभी भी सपने जैसा लग रहा है। उस रात कॉल आया तो हम पहुंचे। यहां पुलिस भी मौजूद थी। एम्बुलेंस से छोटे भाई और उसकी पत्नी को अस्पताल भिजवाया था।

पुलिस से भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता, वाटर कैनन से खदेड़ा

मंत्री प्रहलाद पटेल के 'भीख' वाले बयान के खिलाफ प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग पर अड़े

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के खिलाफ कांग्रेस आज प्रदेशभर के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर रही है। भोपाल में नेहरू नगर और चंचल चौराहे पर मंत्री पटेल के पुतले जलाए गए। इंदौर में पुतले की अर्थी निकाली गई। इसके बाद जब इसे जलाने की कोशिश की तो पुलिस ने पुतला छीन लिया।

नर्मदापुरम के सिवनी मालवा में गांधी चौक पर प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। मुरैना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इसमें मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की गई। गुना-टीकमगढ़ और दतिया में भी कांग्रेस ने मंत्री पटेल के बयान के खिलाफ प्रदर्शन किया।

इसी सिलसिले में 10 मार्च को भोपाल में किसान कांग्रेस भी प्रदर्शन करेगी। इसमें प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कांग्रेस के बड़े नेता शामिल होंगे। 10 मार्च से

ही विधानसभा का बजट सत्र भी शुरू हो रहा है।

दरअसल, 1 मार्च को राजगढ़ जिले के सुठालिया में मंत्री पटेल ने जनता के मांग पत्रों को भीख करार दे दिया था। उन्होंने कहा था, अब तो लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत पड़ गई है। नेता आते हैं, एक टोकना (टोकरी) तो कागज मिलते हैं उनको। मंच पर माला पहनाएंगे और एक पत्र पकड़ा देंगे। यह अच्छी आदत नहीं है। लेने की बजाय देने का मानस बनाएं।

भोपाल: पुतला जलाया, इस्तीफा मांगा- भोपाल के चंचल चौराहे पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण के नेतृत्व में मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला जलाया गया। उनके इस्तीफे की मांग की गई। वहीं, तुलसी नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने नेहरू नगर चौराहे पर पटेल का पुतला फूंका।संत हिरदाराम नगर में पुतला जलाने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने कहा कि जब तक मंत्री माफी नहीं मांगते और इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध जारी रहेगा।

इंदौर में पटेल की सांकेतिक अर्थी निकाली- इंदौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिला विंग के साथ अग्रसेन चौराहे पर प्रदर्शन किया। मंत्री पटेल के पुतले की अर्थी निकाली। इसे जलाने की कोशिश के दौरान पुलिस से खींचातानी हो गई। आखिर में पुलिस जवानों ने कांग्रेस नेताओं से पुतला छीन लिया।

नर्मदापुरम- राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम की सिवनी मालवा तहसील में गुरुवार दोपहर 12 बजे गांधी चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। मुरैना में पुराने कलेक्ट्रेट के सामने पुतला जलाकर राज्यपाल के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में केंद्रीय मंत्री की बर्खास्तगी की मांग की गई।

गुना में पुतले पर पानी डालकर बुझाई आग

गुना में भी कांग्रेस ने मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान के खिलाफ प्रदर्शन किया। हनुमान चौराहे पर पुतला दहन किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मी सादा कपड़ों में पुतला ढूंढती रही। कांग्रेसियों ने एक दुकान में पुतला छिपा रखा था। अचानक लाकर इसे जला दिया। इसके बाद फायर ब्रिगेड से पुतले पर पानी डाला गया। इसमें कुछ कांग्रेसी भी भीग गए।

टीकमगढ़: मंत्री का आधा पुतला जलाया

टीकमगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ता शहर के गांधी चौराहे पर इकट्ठा हुए। विधायक यादवेंद्र सिंह बुंदेला के साथ कार्यकर्ता जैसे ही पुतला लेकर पहुंचे, पुलिस आ गई। पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की लेकिन आधा पुतला ही छीन सके। आधा पुतला कांग्रेसियों ने जला दिया। इसके बाद जला हुआ पुतला लेकर पुलिसकर्मी चौराहे से दूर चले गए।